आज का विचार

किसी से सच्चा प्रेम और सच्ची मित्रता केवल मन से होती है। मतलब से नहीं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

पंचकूला । रविवार, 10 मई, 2026 वर्ष 1, अंक 267, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: HRHIN/25/A2164 Established 2025 www.citydarpan.com

पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से ईडी ने की 10 घंटे पूछताछ, गिरफ्तार किया

एजेंसी (हि.स.)

चंडीगढ़

पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम ने यह कार्रवाई 157 करोड़ की फर्जी बिक्री तथा फर्जी शैल कंपनियों के माध्यम से पैसों की लेन-देन के आधार पर किया है। मंत्री की गिरफ्तारी के साथ ही पंजाब की राजनीति गरमा गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री समेत तमाम मंत्री संजीव अरोड़ा के समर्थन में आ गए हैं। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा अकाली दल ने आम आदमी पार्टी (आआपा) का विरोध किया है।

ईडी की टीमों ने पिछले 20 दिन में शनिवार को दूसरी बार छापा मारा। ईडी की टीमों ने आज सुबह कार्रवाई शुरू की। दोपहर करीब एक बजे चंडीगढ़ आवास पर पंजाब के ऊर्जा एवं उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद ईडी ने कागजी कार्रवाई पूरी की।

बताया जाता है कि ईडी की टीमों ने अरोड़ा के आवास से लैपटॉप तथा कंपनियों के दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए। इसके बाद करीब पांच बजे ईडी की टीमों ने संजीव अरोड़ा को आधिकारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद ईडी उन्हें दिल्ली ले गई जहां आगे की पूछताछ होगी।

ईडी सूत्रों के अनुसार, संजीव अरोड़ा ने अपनी फर्मों के जरिए मोबाइल खरीद की करीब 157.12 करोड़ रुपए की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के माध्यम से फर्जी एक्सपोर्ट किए। इसके अलावा, दुबई से भारत में अवैध रकम की राउंड-ट्रिपिंग के लिए इन सामानों के एक्सपोर्ट का इस्तेमाल किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट और एक्सपोर्ट पर जीएसटी रिफंड तथा ड्यूटी ड्रॉबैक लेने के लिए दिल्ली की गैर-मौजूद फर्मों से कई फर्जी जीएसटी खरीद बिल हासिल किए गए। इससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा और व्यक्तिगत लाभ कमाया गया।

प्रवर्तन निदेशालय ने हैंपटन स्काई रिएलटी लिमिटेड कंपनी और पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों तथा अचल संपत्तियों को अस्थाई रूप से अटैच कर दिया गया है।

इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संजीव अरोड़ा का बचाव करते हुए कहा कि पार्टी पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। यह केवल उन्हें भाजपा में शामिल करवाने के लिए किया गया है। ईडी व भाजपा के गठबंधन का अंत बहुत जल्द पंजाब में होगा। उन्होंने कहा कि एलपीयू के मालिक अशोक मित्तल के प्रतिष्ठानों पर अब ईडी की कार्रवाई बंद क्यों हो गई है। वहीं, आप से भाजपा में आए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब को रंगला बनाने का सपना दिखाकर आप ने कंगला बनाने का काम किया है। लोगों ने पंजाब को चलाने का मेंडेट दिया था, लूटने का नहीं। हमने पहले ही कहा था कि यह भ्रष्ट लोगों की पार्टी बन गई है। तब हमें चुप करा दिया। अगर ईमानदारी का पैसा होता तो कोई 21 लाख रुपए बिल्डिंग से नहीं फेंकता। इस बीच आआपा सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा पंजाब में पार्टी को तोड़ना चाहती है लेकिन पार्टी पूरी तरह से एकजुट है।

ईडी और भाजपा के अनैतिक गठजोड़ का पतन पंजाब से ही होगा : भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर बार-बार छापेमारी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) - प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गठजोड़ का पतन पंजाब से ही शुरू होगा। डराने-धमकाने और बदले की राजनीति के हथकंडों के आगे पंजाब कभी नहीं झुकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर एक साल में तीसरी बार और एक महीने में दूसरी बार ईडी की रेड के दौरान कुछ भी हाथ नहीं लगा। संगरूर में पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि ऐसी छापेमारी सिर्फ उन राज्यों में क्यों की जा रही है जहां भाजपा सत्ता में नहीं है। कहा कि मोदी सरकार का असली इरादा काला धन की वसूली नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं पर दबाव डालकर भाजपा में शामिल कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं और शहीदों की धरती वाला पंजाब, औरंगजेब के जुल्मों के आगे भी नहीं झुका। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे भी नहीं झुकेगा और यह भी कहा कि भाजपा-ईडी गठजोड़ का पतन पंजाब से ही शुरू होगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), इनकम टैक्स विभाग, ईडी और यहां तक कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाएं अब निष्पक्ष रूप से काम नहीं कर रही हैं, बल्कि गैर-भाजपा शासित राज्यों, खासकर पंजाब को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए निशाना बनाया जा रहा है। -विस्तृत खबर पेज 5 पर

बंगाल में पहली भाजपा सरकार का गठन शुभेंदु संग पांच मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता आयोजित समारोह में मौजूद रहे।

भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। नई भाजपा सरकार की पहली मंत्रिपरिषद में उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समाज के नेताओं को भी जगह मिली है।

शुभेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं। हालांकि, अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। दिलीप घोष ने खड़गपुर सदर, अग्निमित्रा पाल ने आसनसोल दक्षिण, अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर, क्षुदिराम टुडू ने रानीबांध और निशीथ प्रमाणिक ने माथाभांगा सीट से जीत दर्ज की है।

हालांकि, अभी पूरी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शुभेंदु अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे।

उल्लेखनीय है कि, चार मई को घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया था। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे माना जा रहा था। शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की।

अमित शाह ने कहा कि विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री पद के लिए आए सभी प्रस्तावों में केवल शुभेंदु अधिकारी का ही नाम था और किसी अन्य नाम का प्रस्ताव नहीं आया। इसके बाद उन्हें सर्वसम्मति से पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री घोषित किया गया।

पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा, समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसरः नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर सुवेंदु अधिकारी को सफल कार्यकाल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ह्यडबल इंजन सरकारह्ल की शक्ति के साथ पश्चिम बंगाल अब विकास, सुरक्षा और समृद्धि के नए दौर की ओर अग्रसर है तथा ह्यसोनार बांग्लाह्ल के साझा संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। नितिन नवीन ने एक्स पर साझा किए बधाई संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सुवेंदु अधिकारी के सशक्त नेतृत्व में पश्चिम बंगाल दशकों के भ्रष्टाचार, कुशासन और अव्यवस्था से मुक्त होकर सुशासन, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ेगा। नवीन ने पश्चिम बंगाल में बनाए गए मंत्रियों को भी बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक को पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री योगी आज होगा मंत्रिमंडल विस्तार

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बहुप्रतीक्षित योगी सरकार का मंत्रिमण्डल विस्तार की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 10 मई यानी रविवार को साढ़े तीन बजे लोक भवन में करीब छह विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलायेंगी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम जनभवन पहुंचकर राज्यपाल से भेंट की। समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में आये पूर्व मंत्री मनोज पाण्डेय, पूजा पाल, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री अशोक कटारिया, कृष्णा पासवान और हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री बनाये जाने की चर्चा है। इन सभी को लखनऊ में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि योगी सरकार में अभी 54 मंत्री हैं। प्रदेश में अधिकतम 60 मंत्री हो सकते हैं।

भाजपा सूत्रों की मानें तो रविवार को 06 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जायेगी। खबर यह भी है कि मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल किया जायेगा। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो योगी सरकार में मंत्रिमंडल का विस्तार 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर एक अहम कड़ी है, इस विस्तार के जरिए भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में जातीय समीकरण साधने का प्रयास करेगी। सूत्रों के अनुसार खबर है कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का रविवार (10 मई) का सारा कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है।

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा बंगाल

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की नई सरकार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही योगी ने शुभेंदु अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर शुभेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ! उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं आप (शुभेंदु अधिकारी) के ऊजार्वान नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का संकल्प सिद्ध होगा और प्रदेश सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अधिकारी का कार्यकाल बंगाल के जन-जन की आकांक्षाओं की पूर्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बने, माँ काली से यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मंत्रियों को भी बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी नेताओं को भी हृदयतल से बधाई ! पूर्ण विश्वास है कि आप सभी जन-सेवा को सर्वोपरि मानकर 'सोनार बांग्ला' के गौरव को पुनर्स्थापित करेंगे। माँ काली की कृपा से आप सभी का कार्यकाल यशस्वी और लोक-कल्याणकारी हो। वंदे मातरम !

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में भरोसा और सम्मान लाया : मोदी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अटल पेंशन योजना सहित केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सम्मान, भरोसा और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि 11 वर्ष पहले इसी दिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने प्रमुख सामाजिक सुरक्षा और पेंशन योजनाएं शुरू की थीं। ये योजनाएं देशवासियों के जीवन में गरिमा, आश्वासन और आर्थिक सुरक्षा लाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ह्ययह शृंखला बताती है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।ह्ल

उन्होंने कहा कि अटल पेंशन योजना कई लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हुई है और इसने बुजुर्गावस्था में उन्हें अधिक सुरक्षित जीवन जीने में मदद की है। यह योजना सामाजिक सुरक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं को इस योजना से लाभान्वित होते देख प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि नारी शक्ति का सशक्त होना देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

इससे पहले माईगवइंडिया ने एक्स पर पोस्ट कर अटल पेंशन योजना की वर्षगांठ का उल्लेख किया। इसमें कहा गया कि मोदी सरकार की इस पहल ने लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है और छोटी बचत से सुनिश्चित पेंशन तक, यह योजना युवाओं, महिलाओं और श्रमिकों को सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए सशक्त बना रही है।

दक्षिण भारत में भाजपा को मजबूत करने वाले महानायक हैं येदियुरप्पा : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)

चित्रदुर्ग

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शनिवार को चित्रदुर्ग में आयोजित बीएसवाई अभिमानोस्तव कार्यक्रम भव्य और ऐतिहासिक माहौल में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की।

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा के संगठन को मजबूत करने में येदियुरप्पा का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा ने शून्य से शुरूआत कर पार्टी को खड़ा किया और दक्षिण भारत में भाजपा की पहली सरकार बनने में निर्णायक भूमिका निभाई।

गृह मंत्री ने कहा कि किसानों, गरीबों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए येदियुरप्पा ने लगातार कार्य किया है। उनका राजनीतिक जीवन आज की पीढ़ी के नेताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर अमित शाह ने येदियुरप्पा के पांच दशक लंबे राजनीतिक सफर, विधानसभा में दिए गए उनके भाषणों तथा उनके सार्वजनिक जीवन पर आधारित स्मारिका एवं पुस्तकों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के बीच नेताओं का भव्य स्वागत किया।

वहीं, अपने संबोधन में बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि जनता का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के प्रेम और विश्वास के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। साथ ही उन्होंने राज्य में एक बार फिर भाजपा सरकार बनने की इच्छा व्यक्त की।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, वरिष्ठ नेता जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। राज्य के विभिन्न मठों के स्वामीजी भी कार्यक्रम में शामिल हुए और येदियुरप्पा को आशीर्वाद दिया।

यूआईडीएआई डेटा हैकाथॉन 2026 समावेशी शासन के लिए डेटा-आधारित नवाचारों को प्रदर्शित करता है

एजेंसी

नई दिल्ली

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने यूआईडीएआई डेटा हैकाथॉन 2026 का सफलतापूर्वक समापन किया। इस कार्यक्रम में डिजिटल पहचान के क्षेत्र में छात्रों द्वारा किए गए उन बेहतरीन नवाचारों का उत्सव मनाया गया, जिनका उद्देश्य शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार लाना है। डिजिटल पहचान डेटा के नवीन और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए इस हैकाथॉन ने छात्रों और युवा पेशेवरों को एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहां वे ऐसे बड़े पैमाने पर लागू होने योग्य और डेटा-आधारित समाधान विकसित कर सकें, जिनका लक्ष्य समावेशिता, कार्यकुशलता और शासन के परिणामों को बेहतर बनाना है।

लगभग 15,000 टीमों के पंजीकरण और 5,000 से ज्यादा टीमों की तरफ से समाधान जमा करने के साथ, इस पहल को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इस तरह, यह डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) इकोसिस्टम में डेटा नवाचार के सबसे बड़े चैलेंज में से एक बन गया। एक सख्त, कई चरणों वाली मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद- जिसमें 5,000 से ज्यादा प्रविष्टियों की जांच, 30 परियोजनाओं की शॉर्टलिस्टिंग और 15 फाइनलिस्ट टीमों का विस्तृत मूल्यांकन शामिल था-टॉप पांच टीमों को अंतिम समारोह में अपने समाधान पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, कोलकाता और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, कोलकाता की विजेता टीम ने यूआईडीएआई द्वारा साझा किए गए, इकट्ठा किए गए आधार नामांकन और अपडेट डेटासेट का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। उनके काम से अलग-अलग क्षेत्रों, राज्यों और जनसांख्यिकीय समूहों में नामांकन के रुझानों और बायोमेट्रिक अपडेट के तरीकों के बारे में अहम जानकारी मिली, साथ ही सेवा देने के तरीके को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी मिले। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, यूआईडीएआई के सीईओ श्री विवेक चंद्र वर्मा ने टीमों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने विश्लेषण की बारीकियों को जनहित के मजबूत नजरिए के साथ जोड़ा। उन्होंने कहा कि इस तरह के नए प्रयोगों में नीतियों और कामकाज में सुधार को सीधे तौर पर मदद करने की क्षमता है; साथ ही उन्होंने शासन में सबको शामिल करने और कुशलता लाने के लिए डेटा के जिम्मेदार और नैतिक इस्तेमाल के महत्व पर भी जोर दिया।

5,000 से अधिक टीमों की तरफ ससमाधान प्रस्तुत करने के साथ, यह डीपीआई इकोसिस्टम में सबसे बड़े डेटा नवाचार चुनौतियों में से एक बन गया

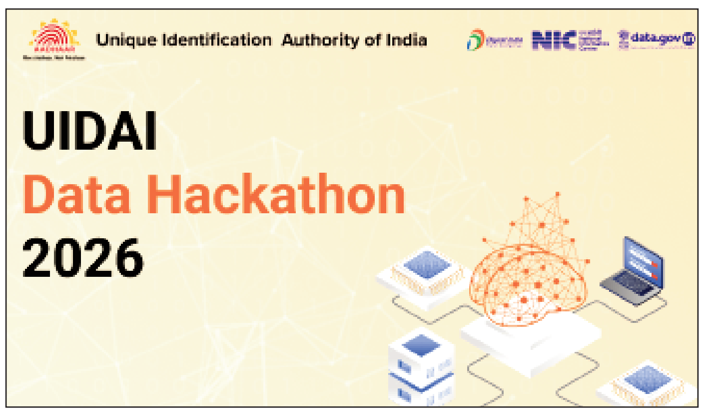

यूआईडीएआई के सीईओ ने इस पहल के लिए यूआईडीएआई के भविष्य के विजन के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यूआईडीएआई डेटा हैकाथॉन को एक सालाना प्लेटफॉर्म के तौर पर संस्थागत रूप दिया जा सकता है, ताकि डिजिटल पहचान और सार्वजनिक डेटा के इस्तेमाल में नवाचार को बढ़ावा मिल सके। हैकाथॉन के आने वाले संस्करणों में भी उम्मीद है कि इसमें सिर्फ छात्रों तक ही भागीदारी सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें शिक्षा जगत, शोधकर्ता, स्टार्ट-अप और अन्य गैर-शैक्षणिक योगदानकर्ताओं को भी शामिल किया जाएगा। इससे एक ज्यादा विविध और अलग-अलग विषयों वाला नवाचार इकोसिस्टम तैयार होगा।

यूआईडीएआई डेटा हैकाथॉन 2026, यूआईडीएआई का मुक्त नवाचार, युवाओं को जोड़ने और प्रमाणों पर आधारित नीति-निर्माण के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को दिखाता है। प्रतिभागियों को असल दुनिया के डेटासेट पर काम करने का मौका देकर, इस पहल ने न सिर्फ तकनीकी उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया, बल्कि ऐसे समाधानों को भी प्रोत्साहित किया जिनका सीधा असर जनता पर पड़े।

यूआईडीएआई ने हैकाथॉन की सफलता में योगदान देने के लिए सभी प्रतिभागियों, जूरी सदस्यों और साझेदारों के प्रति अपनी सराहना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के 11 साल पूरे किए। पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल नामांकन 27.43 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 29.04.2026 तक 21,512.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है इसी अवधि के दौरान पीएमएसबीवाई के तहत कुल नामांकन 58.09 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 1,84,662 दावों के लिए 3,667.52 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

प्रदेश में बादल फटने की घटनाओं का होगा वैज्ञानिक अध्ययन, मुख्यमंत्री ने शोध के लिए दिए सख्त निर्देश

बादल फटने से होने वाले नुकसान को कम करने की तैयारी, मुख्यमंत्री ने विस्तृत रिसर्च प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

स्थानीय स्तर पर तापमान और नमी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने के दिए निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन में हर साल बादल फटने से जान-माल का भारी नुकसान होता है। प्रदेश सरकार अब बादल फटने की घटनाओं के कारणों का अध्ययन करवाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लगातार बढ़ रही बादल फटने की घटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार देर शाम शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने हिमालयन सेंटर फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड रेजिलिएंस की ओर से चलाए जा रहे आपदा जोखिम न्यूनीकरण और अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हिमाचल प्रदेश में बार-बार हो रही बादल फटने की घटनाओं का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया जाए। इस अध्ययन में बांधों के प्रभाव, तापमान में बदलाव, भौगोलिक परिस्थितियों और हिमालयी क्षेत्रों में हो रही घटनाओं के एरियल डिस्टेंस आधारित विश्लेषण को शामिल किया जाएगा।

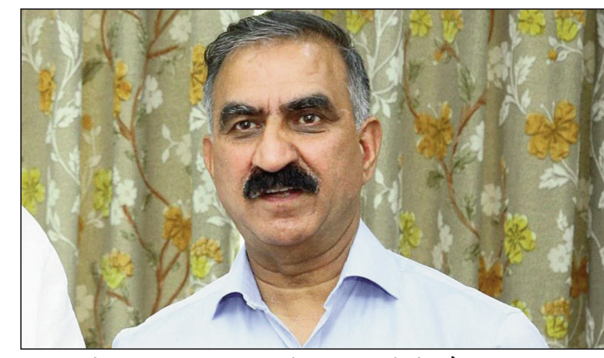

उन्होंने कहा कि राज्य में इन घटनाओं से लगातार जान-माल का नुकसान हो रहा है, इसलिए इनके कारणों और स्वरूप को वैज्ञानिक तरीके से समझना जरूरी है। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आपदा से जुड़े सभी राज्य स्तरीय अनुसंधान, खतरा आकलन और तकनीकी अध्ययन अब हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के इसी सेंटर के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। उन्होंने हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सेंटर की क्षमता बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए छह करोड़ रुपये जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा संस्थागत सुदृढ़ीकरण और क्षमता विस्तार के लिए 10 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मंजूरी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी ग्लेशियर झील फटने से जुड़ी घटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए भी एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने सेंटर को और मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त विशेषज्ञों और पेशेवरों की भर्ती के निर्देश भी दिए, ताकि तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता को बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत बनाने में इस सेंटर की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस तरह के वैज्ञानिक अध्ययन राज्य के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी किए जाने चाहिए ताकि भविष्य में आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। बैठक में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि भूस्खलन और ग्लेशियर से आने वाली बाढ़ के मामलों में बाहरी एजेंसियों पर निर्भरता कम करने के लिए राज्य की तकनीकी और वैज्ञानिक क्षमता को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने सेंटर की ओर से तैयार की जा रही डीपीआर और तकनीकी अध्ययन की सराहना की। बैठक के दौरान मंडी जिले के थुनाग क्षेत्र के लिए तैयार हाइड्रोडायनामिक मॉडल की प्रस्तुति भी दी गई। इसमें फ्लैश फ्लड के प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन, आपदा आधारित योजना और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने पर जानकारी दी गई।

सोलन नगर निगम चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने संभाली प्रचार की कमान

एजेंसी (हि.स.)
सोलन

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने वर्तमान सरकार को 'एक साल का मेहमान' बताते हुए दावा किया कि कांग्रेस केवल झूठ के सहारे टिकी है और चुनाव टालने की हरसंभव कोशिश के बाद अब हार के डर से बौखलाई हुई है ।यहाँ तक कि हाईकोर्ट के आदेशों और न्यायपालिका की टिप्पणियों को भी नजरअंदाज करने का प्रयास किया गया।

उन्होंने सोलन शहर की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ते इस शहर में कांग्रेस शासित निगम कूड़े के ढेर तक नहीं हटा पाई और प्रदेश सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार द्वारा जारी बजट को भी वापस ले लिया, जिससे आधारभूत ढांचे का विकास पूरी तरह ठप हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शनिवार को सोलन नगर निगम चुनाव के मद्देनजर गंज बाजार में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनसंपर्क अभियान और चुनाव प्रचार का बिगुल बजा दिया है ।जनसभा को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अव्यवस्था और झूठे वादों से त्रस्त हो चुकी है और अब लोकतांत्रिक तरीके से सत्तापक्ष को करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है । क्योंकि भाजपा हमेशा विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ जनता के बीच खड़ी रही है ।उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने सोलन, मंडी और पालमपुर को नगर निगम का दर्जा लोगों की मांग पर ही इसी सोच के साथ दिया था कि केंद्र से मिलने वाले बजट के माध्यम से इन शहरों का कायाकल्प किया जा सके, लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में आते ही विकास की गति रोकने के साथ-साथ मर्ज एरिया के लोगों पर टैक्स का भारी बोझ डाल दिया । जबकि भाजपा ने पांच वर्ष तक रियायत देने का वादा किया था ।जयराम ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू जहां भी प्रचार करने जाते हैं, वहां भाजपा को फायदा होता है, जैसा कि बंगाल और असम के चुनाव परिणामों ने सिद्ध कर दिया है ।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने पंचायती राज जैसी लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई को कुचलने का काम किया है और अब झूठे घोषणापत्र के साथ जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है । लेकिन अब समय आ गया है कि विकास की निरंतरता के लिए भाजपा की निगम बनाई जाए ताकि भविष्य में प्रदेश और केंद्र सरकार के समन्वय से सोलन को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। उन्होंने निगम के सभी 17 प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए जनता से समर्थन मांगा और दावा किया कि अबकी बार सोलन में भाजपा की नगर निगम होगी।

भाजपा ने दो अधिकारियों के तबादले की उठाई मांग, पंचायत चुनाव प्रभावित करने के आरोप

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों की सरगर्मियों के बीच भाजपा ने सिरमौर जिला में चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की आशंका जताते हुए राज्य चुनाव आयोग के समक्ष दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज करवाई हैं। पार्टी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के दबाव में प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है और कुछ अधिकारी निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय सचिव प्रमोद ठाकुर की ओर से राज्य चुनाव आयुक्त को भेजे गए शिकायत पत्रों में नाहन विकास खंड में कार्यवाहक बीडीओ के रूप में कार्यरत परमजीत ठाकुर और पांवटा साहिब विकास खंड में तैनात जूनियर इंजीनियर शमशेर प्रकाश के तत्काल तबादले की मांग की गई है। पहले मामले में भाजपा ने आरोप लगाया है कि नाहन विकास खंड में कार्यरत परमजीत ठाकुर स्थानीय कांग्रेस विधायक के करीबी सहयोगी की तरह काम कर रहे हैं। शिकायत पत्र में कहा गया है कि भाजपा समर्थित लोगों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, जबकि कांग्रेस से जुड़े लोगों को मनरेगा और अन्य योजनाओं में प्राथमिकता दी जा रही है। भाजपा का आरोप है कि सिरमौर जिला की करीब 25 पंचायतों में भाजपा समर्थकों के कार्यों में बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। भाजपा ने यह भी दावा किया कि पहले यहां कार्यरत सुपरिंटेंडेंट ग्रेड-क्क विकास बंसल का राजनीतिक दबाव में तबादला किया गया और उनकी जगह परमजीत ठाकुर को तैनात किया गया। पार्टी का कहना है कि पंचायत चुनावों के दौरान इस तरह की गतिविधियां निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। दूसरे मामले में भाजपा ने पांवटा साहिब विकास खंड में तैनात जूनियर इंजीनियर शमशेर प्रकाश के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पार्टी के अनुसार उनकी पत्नी किरण बाला ग्राम पंचायत रामपुर भारापुर से प्रधान पद का चुनाव लड़ रही हैं।

कठुआ पुलिस का नशे पर बड़ा प्रहार-हीरानगर व नगरी में 2 तस्कर गिरफ्तार, चिट्टा बरामद

कठुआ। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत नशे के खिलाफ जारी अभियान में कठुआ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन (चिट्टा) जैसी नशीली पदार्थ बरामद किया है। पहला मामला हीरानगर क्षेत्र का है जहां पुलिस टीम ने दशहरा ग्राउंड के पास गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में उसकी पहचान शुभम कुमार निवासी दयालाचक तहसील हीरानगर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 2.75 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस संबंध में थाना हीरानगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी कार्रवाई नगरी क्षेत्र में की गई जहां पुलिस ने विशेष नाका लगाकर एक व्यक्ति को पकड़ा। आरोपी की पहचान समीर खान निवासी बरेली (मौजूदा पता निवासी गुंद नगरी) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 7.15 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में थाना कठुआ में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच जारी है। कठुआ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय को व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही कांग्रेस सरकार : डॉ. राजीव बिंदल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सुनियोजित तरीके से सरदार पटेल विश्वविद्यालय को कमजोर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के फैसलों से स्पष्ट है कि वह मंडी क्षेत्र के छात्रों और युवाओं के हितों की अनदेखी कर रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा सरकार ने वर्ष 2022 में मंडी सहित प्रदेश के मध्य क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर और सुलभ उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सरदार पटेल विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला पर बढ़ते दबाव को कम करना और मंडी, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, किन्नौर तथा आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को स्थानीय स्तर पर बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के समय लगभग 119 से 128 कॉलेज इससे संबद्ध थे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने धीरे-धीरे अधिकांश कॉलेजों को वापस हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से जोड़ दिया। वर्तमान समय में एसपीयू के अंतर्गत केवल लगभग 50 कॉलेज ही बचे हैं। यह दशार्ता है कि कांग्रेस सरकार ने इस विश्वविद्यालय को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का काम किया है। डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि मंडी जिला में भाजपा को मिले व्यापक जनसमर्थन के कारण कांग्रेस सरकार राजनीतिक मानसिकता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मंडी क्षेत्र के विकास और शिक्षा संस्थानों को कमजोर करना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेजों को वापस शिमला से जोड़ने के कारण छात्रों और अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक, प्रशासनिक और मानसिक बोझ बढ़ेगा। परीक्षाओं, प्रमाणपत्रों और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए छात्रों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। भाजपा का मानना है कि यह फैसला छात्र विरोधी और क्षेत्र विरोधी है। कांग्रेस सरकार लगातार शिक्षा और जनसेवा संस्थानों को बंद या कमजोर करने का काम कर रही है।

संक्षिप्त-समाचार

रामपुर में वर्षा शालिका में मिला नेपाली युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

शिमला। शिमला जिला के रामपुर क्षेत्र में एक नेपाली मूल के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक चौधरी अड्डा क्षेत्र में बनी एक वर्षा शालिका में अचेत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार देर शाम थाना रामपुर में सूचना मिली थी कि चौधरी अड्डा में एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही एएसआई सरजु राम पुलिस टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर वहां नेपाली मूल के दो व्यक्ति मौजूद मिले। उनकी मौजूदगी में अचेत व्यक्ति को बारिश शालिका से उठाकर उपचार के लिए खनेरी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मौके पर मौजूद नेपाली नागरिकों ने मृतक की पहचान 32 वर्षीय कर्ण ओली के रूप में की है। वह नेपाल के रापती आंचल के बूरुकम जिला स्थित अर्मा गांव पालिका का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने मृतक के शरीर का मौके पर मौजूद लोगों की उपस्थिति में बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। पुलिस द्वारा मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ भी की गई, लेकिन किसी ने भी युवक की मौत को लेकर किसी प्रकार का संदेह व्यक्त नहीं किया। फिलहाल मृतक के परिजनों से संपर्क नहीं हो पाया है। पुलिस उनकी तलाश और संपर्क करने का प्रयास कर रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने चंडीगढ़ में लगभग 93 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की

जम्मू। नशीपदार्थों की तस्करी के एक मामले की जांच के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने चंडीगढ़ में लगभग 93 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। यह मामला शुरू में थोड़ी मात्रा में हेरोइन बरामदगी से शुरू हुआ था। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस मामले की शुरूआत इस साल 14 जनवरी को हुई थी जब बाग-ए-बाहु पुलिस की एक टीम ने जम्मू के नरवाल स्थित राजीव नगर निवासी अरुण सिंह को गिरफ्तार किया और उसके पास से हेरोइन बरामद की। बरामदगी के बाद बाग-ए-बाहु पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के बाद जांचकर्ता चंडीगढ़ पहुंचे जहां सह-आरोपी ऋषि सिंह जो अरुण का भाई है के बारे में पता चला कि उसने अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार से प्राप्त धन का उपयोग करके एक आवासीय संपत्ति खरीदी थी। उन्होंने बताया कि वित्तीय जांच के निष्कर्षों के आधार पर दक्षिण जोन की एक पुलिस टीम ने शुक्रवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 38-ए में स्थित अचल संपत्ति को जब्त कर लिया। पुलिस ने कहा कि यह कुर्की एनडीपीएस अधिनियम के उन प्रासंगिक प्रावधानों के तहत की गई है जो नशीले पदार्थों की तस्करी से प्राप्त अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और कुर्की से संबंधित हैं।

सेब की खाली ट्रे जलाते समय आग की चपेट में आया युवक, मौत

शिमला। रसोईघर के भीतर सेब की खाली ट्रे जलाना एक युवक को भारी पड़ गया। आग अचानक इतनी तेज हो गई कि युवक उसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। आग बुझाने की कोशिश में वह बेसुध होकर गिर पड़ा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना शुक्रवार शाम शिमला जिला के जुब्बल थाना क्षेत्र के गाँव मटासा में सामने आई। मृतक की पहचान टोपिद्र कार्की के रूप में हुई है, जो नेपाल के जिला दैलेख करनाली का रहने वाला था। वह इन दिनों जुब्बल क्षेत्र में एक सेब बगीचे में काम कर रहा था और स्थानीय निवासी भूषण बासटा के पास रह रहा था। घटना की जानकारी उसके भाई प्रेम कार्की ने पुलिस को दी। पुलिस के अनुसार टोपिद्र कार्की बगीचे में काम करने के बाद रसोईघर में मौजूद था। इसी दौरान उसने कथित तौर पर सेब की खाली ट्रे इकट्ठा कर उनमें आग लगा दी। देखते ही देखते आग भड़क गई और उसके कपड़ों तक पहुंच गई। आग से झुलसने के बाद वह कमरे में गया, जहां उसने अपने जले हुए कपड़े उतारे। इसके बाद वह पानी से आग बुझाने के लिए दोबारा रसोईघर की तरफ आया, लेकिन गंभीर रूप से झुलसने और दर्द के कारण बेसुध होकर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

एनडीपीएस अधिनियम के कई मामलों में शामिल तीन कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों की अचल संपत्तियां जब्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में चल रहे नशा मुक्त अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामलों में शामिल तीन कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों की अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि पहली कार्रवाई में कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर शाहिद मुश्ताक डार पुत्र मुश्ताक अहमद डार निवासी बरथाना, कमरवारी की लगभग 80 लाख रुपये की संपत्ति को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत जब्त किया गया। यह संपत्ति अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन से अर्जित की गई थी। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में नौगाम पुलिस स्टेशन ने ड्रग तस्कर मेहराज उद दीन गनी पुत्र मोहम्मद इस्माइल गनी निवासी वागूरा की संपत्ति जब्त कर ली है। मेहराज नौगाम पुलिस स्टेशन की एफआईआर संख्या 156/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले में शामिल है। जब्त की गई संपत्ति में 18 मरला जमीन, एक मंजिला आवासीय भवन और एक गौशाला शामिल हैबजो सर्वे संख्या 273, वागूरा, तहसील बीके पोरा में स्थित है।

सात महीने बाद शिमला से फिर उड़ान भरेंगे विमान, पर्यटन को लगेंगे पंख

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पहाड़ों की रानी शिमला एक बार फिर आसमान के रास्ते देश के बड़े शहरों से जुड़ने जा रही है। सात महीने से बंद पड़ी हवाई सेवाएं अब कल यानी 10 मई से दोबारा शुरू हो रही हैं। समर सीजन के बीच शुरू हो रही इन उड़ानों से पर्यटकों का शिमला आना-जाना आसान होगा और पर्यटन कारोबार को भी नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। राजधानी शिमला के जुब्बड़हट्टी हवाई अड्डे से दिल्ली और धर्मशाला के लिए नियमित विमान सेवा बहाल की जा रही है।

एलायंस एयर दिल्ली-शिमला रूट पर मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन उड़ानें संचालित करेगी। वहीं शिमला और धर्मशाला के बीच मंगलवार व रविवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन विमान सेवा उपलब्ध रहेगी। एयरलाइन ने एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है और प्रत्येक दिन का शेड्यूल भी अपनी वेबसाइट पर अपडेट कर दिया है। रविवार के शेड्यूल के अनुसार नई दिल्ली से विमान सुबह 6:20 बजे उड़ान भरेगा और 7:35 बजे शिमला पहुंचेगा। इसके बाद फ्लाइट सुबह 8:00 बजे शिमला से रवाना होकर 9:10 बजे दिल्ली पहुंचेगी। सोमवार को दिल्ली से विमान सुबह 7:20 बजे रवाना होगा और 8:35 बजे शिमला पहुंचेगा। वापसी में विमान सुबह 11:30 बजे शिमला से उड़ान भरकर दोपहर 12:40 बजे दिल्ली पहुंचेगा। दिल्ली से शिमला की यात्रा करीब एक घंटा 15 मिनट में पूरी होगी, जबकि शिमला से दिल्ली पहुंचने में लगभग एक घंटा 10 मिनट का समय लगेगा। इसी तरह 11 मई से शिमला और धर्मशाला के बीच भी उड़ानें शुरू होंगी। शिमला से फ्लाइट सुबह 9:00 बजे रवाना होकर 9:50 बजे धर्मशाला पहुंचेगी, जबकि धर्मशाला से विमान सुबह 10:15 बजे उड़ान भरकर 11:05 बजे शिमला पहुंचेगा। यानी दोनों शहरों के बीच सफर अब महज 50 मिनट में पूरा हो सकेगा। हालांकि, इस बार यात्रियों को पहले के मुकाबले कहीं अधिक किराया चुकाना पड़ेगा।

एसएसपी मोहिता शर्मा ने पुलिस लाइन कठुआ का किया निरीक्षण व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

कठुआ। जिला पुलिस लाइन कठुआ का व्यापक निरीक्षण एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसपी ऑपरेशंस बॉर्डर एवं कंडी, डीएसपी डीएआर और आरआई/लाइन अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने पुलिस लाइन की समग्र कार्यप्रणाली, अनुशासन, साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण और ऑपरेशनल तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था, बैरक, स्टोर, मैस, वाहन प्रबंधन, हथियार व गोला-बारूद के रखरखाव सहित विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। एसएसपी ने विशेष रूप से साफ-सफाई, अनुशासन और पेशेवर मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने मौके पर ही सभी शाखा प्रभारियों को अपने-अपने कार्यालयों और परिसर में स्वच्छता व व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम शाखा का भी गहन निरीक्षण किया गया। एसएसपी ने इसकी कार्यप्रणाली और रिस्पॉन्स सिस्टम की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर समन्वय और जनसेवा में सुधार लाने के निर्देश दिए।

नशा मुक्ति केंद्र का डीसी ने लिया जायजा

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कठुआ स्थित एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी सेंटर का दौरा कर वहां दी जा रही उपचार और पुनर्वास सेवाओं की समीक्षा की।

यह केंद्र ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के सहयोग से संचालित हो रहा है और ह्यनशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियानङ्घ के तहत नशे की समस्या से निपटने में अहम भूमिका निभा रहा है। दौरे के दौरान डीसी ने केंद्र की विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया और बुनियादी ढांचे, मरीजों की देखभाल, काउंसलिंग सेवाओं तथा पुनर्वास व्यवस्था का जायजा लिया। डिप्टी सीएसओ डॉ. नीरज नागपाल ने जानकारी दी कि केंद्र को हाल ही में 10 बेड से बढ़ाकर 22 बेड का किया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्टाफ की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डीसी ने मेडिकल टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नशा पीड़ितों के उपचार में संवेदनशील और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है ताकि वे समाज में सम्मान के साथ पुनः स्थापित हो सकें। इस दौरान डीसी ने उपचाराधीन मरीजों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा।

कठुआ नगर परिषद को 8.46 करोड़ की बड़ी सौगात, बाढ़ से क्षतिग्रस्त ढांचे के पुनर्निर्माण को मिलेगी रफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

विधायक डॉ. भारत भूषण ने कठुआ नगर परिषद के लिए केंद्र सरकार की प्रमुख योजना के तहत जारी किए गए 8.46 करोड़ रुपये का स्वागत किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने इस महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का आभार व्यक्त किया।

विधायक ने कहा कि अगस्त 2025 में आई भीषण बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं से कठुआ के बागड़ा, दिलवां, जमालपुर, परला और राखे जैसे क्षेत्रों में जान-माल का भारी नुकसान हुआ था। इस आपदा के कारण नगर के सड़कों, गलियों, नालियों और नालों सहित बुनियादी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची थी। डॉ. भारत भूषण ने बताया कि हुए नुकसान का आकलन कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों को भेजी गई थी। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार ने इन रिपोर्टों को स्वीकार करते हुए 8.46 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है जिससे नगर परिषद क्षेत्र में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण कार्य को गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस फंड से सड़कों, गलियों, नालियों और अन्य आवश्यक ढांचागत सुविधाओं का पुनर्निर्माण जल्द शुरू होगा जिससे लोगों को काफी राहत मिलेगी और शहर का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। इस प्रेस वार्ता में जिला विकास परिषद के पूर्व वाइस चेयरमैन रघुनंदन सिंह बबलू, भाजपा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रेम नाथ डोगरा, जिला अध्यक्ष उपदेश अंडोत्रा तथा जिला सचिव अक्षय भारती भी उपस्थित रहे।

एकता | **राज्यपाल ने दिया सामाजिक एकजुटता का संदेश**

राज्यपाल ने सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का आह्वान किया

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने अपने पालमपुर दौरे का दौरान पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के दो दिवसीय 19वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यपाल ने इस मौके पर महर्षि वाल्मीकि एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ऐसे सम्मेलन समाज को नई दिशा देने तथा सामाजिक संवाद को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने में महासभा के योगदान की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं ताकि विकास की मुख्यधारा से कोई भी वंचित न रहे। राज्यपाल ने कहा कि समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामाजिक समरसता और समावेशी विकास अत्यंत आवश्यक है। बीते एक दशक में हुए सुधारों और विकासात्मक पहलों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकासका मंत्र सार्थक रूप से साकार हुआ है।

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण विकसित भारत के निर्माण का मजबूत आधार बनकर उभरा है।

स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाने में वाल्मीकि समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा, स्किल इंडिया, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सफाई कर्मियों और जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने लोगों से शिक्षा, जागरूकता, सामाजिक समरसता और एकता की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। इससे पूर्व, महासभा के पदाधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत एवं सम्मान किया। तेलंगाना से आए प्रतिनिधियों ने भी राज्यपाल को विशेष रूप से सम्मानित किया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा मुद्रक प्रवीन तोमर की इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22 और 49, ग्राउंड फ्लोर, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-2, पंचकूला-134115 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113 से प्रकाशित।
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय पंचकूला होगा।
स्थानीय कार्यालय
180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpanharyana@gmail.com

बाढ़ नियंत्रण कार्यों को 15 जून तक किया जाए पूरा: श्रुति चौधरी

मंत्री ने मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी कार्यों में तेजी लाने के अधिकारियों को दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, अधूरे कार्यों पर अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश
- 57वीं एचएसडीआर एवं एफसीबी बैठक में बाढ़ नियंत्रण कार्यों की समीक्षा की गई

हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि नालों की सफाई, नदियों की गाद निकालने तथा अल्पकालिक बाढ़ नियंत्रण के सभी लंबित कार्यों को 15 जून तक हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि मानसून सीजन के दौरान आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने यह निर्देश सिंचाई विभाग के अधिकारियों को 57वीं एचएसडीआर एवं एफसीबी बैठक में नालों की सफाई, नदियों की गाद निकालने तथा अल्पकालिक बाढ़ नियंत्रण कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए।

मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन कार्यों की अंतिम समीक्षा स्वयं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रदेशभर में चल रहे बाढ़ नियंत्रण एवं जल निकासी कार्यों की प्रगति का विस्तृत जानाकरी भी ली गई। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कहा कि यदि कार्यों में किसी प्रकार की देरी या गुणवत्ता में कमी पाई गई तो संबंधित मुख्य अभियंता के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ नियंत्रण कार्यों को लेकर पूरी तरह गंभीर है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन कार्यों की शुरूआत अभी तक नहीं हो पाई है, उन्हें युद्ध स्तर पर तुरंत शुरू करवाया जाए ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे हो सकें। इसके साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों और पाइपों की खरीद प्रक्रिया समय रहते पूरी करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उन्होंने एचएसडीआर एवं एफसीबी की 56वीं बैठक के दौरान में लिए गए निर्णयों और कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने बचे हुए सभी कार्यों को अविलंब पूरा करने के आदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी सुनिश्चित करे।

मंत्री श्रुति चौधरी ने ठेकेदारों को लेकर भी सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो ठेकेदार आवंटित कार्य समय पर पूरा नहीं कर रहे हैं, उन्हें तुरंत प्रभाव से ब्लैकलिस्ट किया जाए, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की सुरक्षा और बेहतर जल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा सभी विभागीय अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य करें।

बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल सहित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सैनी के वचनों को श्रद्धालुओं ने पूरा करते हुए श्री हजूर साहिब गुरु घर में प्रदेश की सुख, शांति व समृद्धि की अरदास की

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- सरकार की तीर्थ दर्शन योजना से संगत को मिला गुरुओं की कुबार्नी और इतिहास को जानने का अवसर:डा. विजय
- सरकार की योजना से मिल रहा है संगत को नि:शुल्क यात्रा का लाभ, प्रशासक ने जताया मुख्यमंत्री नायब सिंह का आभार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरफ से प्रशासक को किया सम्मानित

तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ गुरुद्वारा बोर्ड के प्रशासक डा. विजय सतबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से संगत को गुरुओं की कुबार्नी एवं देश के प्राचीन इतिहास को जानने का अवसर मिला है। इस नि:शुल्क यात्रा से संगत को धार्मिक स्थलों को देखने का अवसर मिला है। इस योजना के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बधाई के पात्र है। अहम पहलू यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के वचनों को श्रद्धालुओं ने पूरा करते हुए तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ गुरु घर में प्रदेश की सुख, शांति व समृद्धि की अरदास की।

प्रशासक डा. विजय सतबीर सिंह मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को लेकर विशेष बातचीत कर रहे थे। इससे पहले गुरुद्वारा बोर्ड के प्रशासक डा. विजय सतबीर सिंह को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरफ से जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी तथा यात्रा के नोडल अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह ने शाल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया। इस दौरान गुरुद्वारा बोर्ड के अधीक्षक रविंद्र सिंह कपूर, सहायक अधीक्षक जयमल सिंह ढिल्लों, पीआरओ राजिंद्र सिंह, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, पीए बबीता कौर चहल भी मौजूद थे। इस धार्मिक यात्रा के लिए प्रशासक ने सभी संगतों का पुनः स्वागत किया गया और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की इस पहल का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने संगत को तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के दर्शन करवाने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं को भेजा और इस यात्रा का दूसरा जत्था भी 15 मई के बाद पहुंचेगा। इन संगतों का गुरुद्वारा बोर्ड की तरफ से परंपरा अनुसार स्वागत किया। सरकार ने संगतों को दर्शन करवाने की योजना का संगत को लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि संगत के लिए ठहरने व तमाम व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। इसके साथ संगतों को श्री गुरु गोबिंद जी महाराज के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। इस पवित्र स्थल से श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज सचखंड गए। इस के अलावा आस पास के 15 किलोमीटर के दायरे में भी संगतों को गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करवाए गए है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा नरेंद्र सिंह ने प्रशासक तथा अन्य पदाधिकारियों का श्रद्धालुओं का आदर सत्कार करने पर आभार व्यक्त किया है। इस धार्मिक यात्रा से सभी श्रद्धालु प्रसन्न है।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- सुवेंदु अधिकारी को दी बधाई, बोले- आज का दिन ऐतिहासिक

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पश्चिम बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी व बंगाल की जनता को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है और यह जीत वर्ष 2047 के विकसित भारत के संकल्प की जीत है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की ऐतिहासिक धरा पश्चिम बंगाल देश को नई दिशा देने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार प्रदेश के विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने विकास, राष्ट्रहित और सुशासन के पक्ष में अपना समर्थन दिया है। केंद्र और राज्य मिलकर विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे।

समाज और शासन से जुड़े मुद्दों पर युवाओं को जागरूक होकर सक्रिय भागीदारी निभाने की जरुरत: विश्राम कुमार मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाज और शासन से जुड़े मुद्दों पर युवाओं को जागरूक होकर सक्रिय भागीदारी निभाने की जरुरत है। इसी प्रेरणा के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नीति निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ हरियाणा के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। युवाओं को जागरूकता, नवाचार और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित व्यावहारिक समाधानों की आवश्यकता है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार देर सायं ज्योतिसर अनुभव केंद्र में आयोजित कर्म की बात धर्म की बात कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। महाभारत अनुभव केंद्र ज्योतिसर में आयोजित कर्म की बात-धर्म की बात कार्यक्रम के अंतर्गत कुरुक्षेत्र का पहला युवा-नेतृत्व वाला नीति संवाद सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कर्म की बात-धर्म की बात कार्यक्रम में युवाओं ने विकसित हरियाणा 2047 पर दृष्टिकोण रखा। इस मौके पर केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व सीएमजीजीए मुस्कान यादव द्वारा किया गया, जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियो तथा युवाओं ने भाग लेकर वर्तमान समय की महत्वपूर्ण चुनौतियों पर सार्थक चर्चा की।

उन्होंने कहा कि विकसित हरियाणा 2047 के विजन को केंद्र में रखते हुए सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। पैनल चचाओं में सतत कचरा प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, प्लास्टिक बैग के उपयोग में कमी, तथा पर्यावरण और जलवायु पर हानिकारक कृषि पद्धतियों के प्रभाव जैसे विषयों पर युवाओं ने अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। सीएमजीजीए मुस्कान यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की उपदेश स्थली ज्योतिसर में आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं को नीति और नैतिकता के संवाद से जोडने. की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि विकसित हरियाणा 2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और उत्तरदायी नागरिक भागीदारी को भी समान महत्व देता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को चार प्रमुख सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में स्कूली विद्यार्थियों के लिए स्पेल मास्टर ऑफ कुरुक्षेत्र और स्पिक फॉर भारत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। द्वितीय सत्र में प्रतिभागियों ने महाभारत अनुभव केंद्र का भ्रमण किया। तृतीय सत्र में कर्म की बात - धर्म की बात विषय पर नीति संवाद आयोजित किया गया, जबकि अंतिम सत्र में प्रतिभागियों ने लाइट एंड साउंड शो का अनुभव लिया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और विभिन्न जिलों से आए युवाओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

संक्षिप्त-समाचार

डॉ. हरविंदर सिंह बने यूथ रेडक्रॉस यूटीडी यूनिट के प्रोग्राम काउंसलर

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अनुमति से, केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर जारी अधिसूचना के अनुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संगीत एवं नृत्य विभाग के सहायक प्रो. डॉ. हरविन्द्र सिंह लोंगोवाल को यूथ रेड क्रॉस यूटीडी यूनिट का प्रोग्राम काउंसलर बनाया गया है। उनकी यह नियुक्ति 08 मई से आगामी तीन वर्षों की अवधि अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। इस अवसर पर डॉ. हरविंदर सिंह अपनी नियुक्ति के लिए कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कि वह अपने अनुभव एवं नेतृत्व क्षमता के माध्यम से यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करेंगे तथा विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, मानवता और जनकल्याण की भावना को और अधिक मजबूत करेंगे।

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया

कुरुक्षेत्र। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अंतर्गत संचालित महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल मोती चौक में मातृ दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लघु नाटिका एवं नृत्य के द्वारा मां को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रशासक विकास बंसल ने कहा कि मां की ममता, त्याग, प्रेम और बलिदान की किसी अन्य चीज से तुलना नहीं की जा सकती है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रुचिका बंसल ने बच्चों को जीवन में मां की महत्ता के बारे में समझाया एवं उन्होंने बताया कि मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाहित है। विद्यालय के किंडर गार्डन के विद्यार्थियों ने कार्ड मेकिंग, फोटो फ्रेम मेकिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों में उत्साह- पूर्वक भाग लिया तथा सेल्फी- पॉइंट पर तस्वीरें भी खिंचवाई। इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाओं ने भी बच्चों के मनोरंजन और उत्साहवर्धन हेतु मंच पर शानदार प्रस्तुति दी एवं बच्चों को गले लगाकर मातृ दिवस की बधाई दी।

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया

कुरुक्षेत्र। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अंतर्गत संचालित महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल मोती चौक में मातृ दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लघु नाटिका एवं नृत्य के द्वारा मां को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रशासक विकास बंसल ने कहा कि मां की ममता, त्याग, प्रेम और बलिदान की किसी अन्य चीज से तुलना नहीं की जा सकती है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रुचिका बंसल ने बच्चों को जीवन में मां की महत्ता के बारे में समझाया एवं उन्होंने बताया कि मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाहित है। विद्यालय के किंडर गार्डन के विद्यार्थियों ने कार्ड मेकिंग, फोटो फ्रेम मेकिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों में उत्साह- पूर्वक भाग लिया तथा सेल्फी- पॉइंट पर तस्वीरें भी खिंचवाई। इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाओं ने भी बच्चों के मनोरंजन और उत्साहवर्धन हेतु मंच पर शानदार प्रस्तुति दी एवं बच्चों को गले लगाकर मातृ दिवस की बधाई दी।

नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा सर्वोपरि: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- केयू यूथ रेड क्रॉस द्वारा विश्व रेड क्रॉस दिवस समारोह एवं मेरिट प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस द्वारा केयू सीनेट हॉल में आयोजित विश्व रेड क्रॉस दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के सिद्धांत मानवता, निष्पक्षता, स्वैच्छिक सेवा, सार्वभौमिकता, तटस्थता, एकता एवं स्वतंत्रता का पालन पूरे विश्व में विख्यात है। इस अवसर पर उन्होंने यूथ रेड क्रॉस स्वयंसेवकों एवं परामर्शदाताओं के समर्पित प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के शुभारंभ में रेडक्रॉस आंदोलन के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूनैंट की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके मानवता के प्रति अमूल्य योगदान को स्मरण किया गया।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि मानव सेवा ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है तथा विद्यार्थियों को सामाजिक एवं मानवीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और यदि युवा सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ें तो देश का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल होगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों ने मानव हित एवं जनकल्याण कार्यों में भागीदारी करने का भी आह्वान किया। कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने 33 यूथ रेडक्रॉस स्वयंसेवकों को विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान एवं समर्पित सेवा के लिए मेरिट प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति मानवीय मूल्यों की धरोहर रही है तथा रेडक्रॉस में भी मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर सामाजिक जिम्मेवारियों के निर्वहन के लिए कहा गया है। यूथ रेड क्रॉस के कार्यक्रम संयोजक प्रो. दिनेश सिंह राणा ने मुख्यातिथि सहित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि केयू यूथ रेडक्रॉस विद्यार्थियों में मानवता, नि:स्वार्थ सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में परामर्शदाताओं एवं स्वयंसेवकों के साथ एक संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा कुरुक्षेत्र के सचिव रमेश चौधरी ने रेड क्रॉस आंदोलन की भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं खेल परिषद के अध्यक्ष डॉ. अमित ने विद्यार्थियों को अनुशासन, शारीरिक स्वास्थ्य, टीम भावना एवं समर्पण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। यूथ रेडक्रॉस के फील्ड अधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर में आयोजित हुआ रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन सेमिनार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर और जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ कार्यक्रम
- प्रतिभागियों को उन युवाओं की प्रेरणादायक सक्सेस स्टोरी से भी अवगत कराया गया, जिन्होंने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा कर रोजगार प्राप्त किया और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की नवीन अवसर पहल के अंतर्गत कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर में जिला रोजगार कार्यालय एवं कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल के संयुक्त तत्वावधान में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर विभिन्न स्किल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की।

इस कार्यक्रम के दौरान सेंटर से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण साझेदारों ने अपने-अपने जॉब ओरिएंटेड ट्रेनिंग प्रोग्राम, प्लेसमेंट अवसरों तथा विद्यार्थियों की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। प्रतिभागियों को उन युवाओं की प्रेरणादायक सक्सेस स्टोरी से भी अवगत कराया गया, जिन्होंने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा कर रोजगार प्राप्त किया और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई। कार्यक्रम का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर करियर अवसरों की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

इस सेमिनार में मुख्य रूप से करियर गाइडेंस, इंग्लिश स्पीकिंग, रोजगारपरक कौशल, प्रोफेशनल डेवलपमेंट एवं कार्यस्थल शिष्टाचार जैसे विषयों पर विशेष फोकस किया गया। वक्ताओं ने युवाओं को अपनी क्षमताओं को विकसित करने, कौशल उन्नयन पर ध्यान देने तथा भविष्य की रोजगार संभावनाओं के लिए स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी सीमा सैनी, सेंटर हैंड अभिषेक सहगल, ने युवाओं को संबोधित करते हुए युवाओं से अपील की कि वे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाकर स्वयं को रोजगार के लिए तैयार करें।

प्रदेशभर में मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अखंड आस्था कार्यक्रम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- कुरुक्षेत्र में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेशभर में 11 मई 2026 को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अखंड आस्था कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन भारत की सनातन संस्कृति, आस्था, स्वाभिमान और गौरवशाली इतिहास को समर्पित होगा। राज्य के सभी जिलों में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य देश की सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपराओं तथा सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को जोड़ना है। यह पर्व भारत की उस अदम्य आस्था और आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिसने अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक चेतना को सदैव जीवित रखा। कार्यक्रम के तहत कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, नूंह में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, फरीदाबाद में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, करनाल में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, जींद में विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, अंबाला में ऊर्जा मंत्री अनिल विज, सोनीपत में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार और गुरुग्राम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार, पानीपत में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, पंचकूला में राजस्व मंत्री विपुल गोयल, रोहतक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, यमुनानगर में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, सिरसा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, हिसार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भिवानी में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, महेंद्रगढ़ में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, पलवल में खेल मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

लोगों के दिलों में रंग भर रही सुपवा की कला प्रदर्शनी अभिव्यंजना

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

- सातवें दिन पहुंचे कई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु व कुलसचिव, पद्मश्री योगेश्वर दत्त ने भी सराही छात्रों की प्रतिभा
- आज होगा आठ दिवसीय कला महोत्सव का समापन, शाम 5 बजे तक प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे लोग
- यादों, भावनाओं और ग्रामीण जीवन को कला में पिरो रहे छात्र

दादा लख्मीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) की कला प्रदर्शनी अभिव्यंजना लगातार लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। शनिवार को प्रदर्शनी का सातवां दिन रहा, जिसमें कई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु, कुलसचिव व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पहुंचे और छात्रों की रचनात्मकता व कला कौशल की जमकर सराहना की। आठ दिवसीय कला प्रदर्शनी का समापन रविवार को होगा। औपचारिक समापन समारोह दोपहर 12 बजे आयोजित किया जाएगा, जबकि आम लोग शाम 5 बजे तक प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे।

शनिवार को ओलंपिक पदक विजेता पहलवान एवं पद्मश्री सम्मानित योगेश्वर दत्त, महर्षि दयानंद यूनिवर्सिअी के कुलगुरु प्रोफेसर मिलाप पुनिया, इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी के कुलसचिव डॉ. दिलबाग सिंह व चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी की कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा डीएलसीसुपवा पहुंचे। इस दौरान यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य व फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार ने स्टाफ सदस्यों के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न कलाकृतियों का गहन अवलोकन किया व छात्रों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक अभिव्यक्तियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। छात्रों ने भी अपने कार्यों च कला की अवधारणाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। प्रदर्शनी के दौरान सभी अतिथियों ने कैनवास पर रंग भरकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई व कला के प्रति अपना जुड़ाव प्रदर्शित किया। पद्मश्री योगेश्वर दत्त ने छात्रों को शानदार आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, प्रोफेसर मिलाप पुनिया ने कहा कि छात्रों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियां बेहद आकर्षक, उत्कृष्ट व भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है व उन्हें अपनी सोच को समाज के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियां केवल रंगों का संयोजन नहीं, बल्कि छात्रों की भावनाओं, यादों व जीवन अनुभवों की अभिव्यक्ति भी हैं। एप्लाइड आर्ट विभाग की छात्रा सान्या ने अपने व्यक्तिगत जीवन व दोस्तों के साथ बिताए पलों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपने चित्रों को टाइपोग्राफी के माध्यम से नया स्वरूप दिया है। हर चित्र के साथ एक प्रभावशाली स्लोगन जोड़ा गया है, जिसके अनुरूप कलात्मक आकृतियां बनाई गई हैं। उनकी यह प्रस्तुति दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित कर रही है। इसी प्रकार पेंटिंग विभाग की छात्रा ममता ने अपने चित्रों में ग्रामीण परिवेश की सुंदरता को जीवंत किया है। पुराने घर, गांव की गलियां, दादा की मोटरसाइकिल व बचपन की यादों को उन्होंने पेंटिंग के माध्यम से बेहद खूबसूरती से कैनवास पर उतारा है। उनकी कलाकृतियां गांव की सादगी, अपनापन और मिट्टी की खुशबू को जीवंत कर रही हैं।

यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने बताया कि कला प्रदर्शनी अभिव्यंजना का औपचारिक समापन 10 मई को किया जाएगा। दोपहर 12 बजे आयोजित समापन कार्यक्रम में प्रदर्शनी का फ्लैग ऑफ किया जाएगा। हालांकि आम दर्शकों के लिए प्रदर्शनी शाम 5 बजे तक खुली रहेगी, ताकि अधिक से अधिक लोग छात्रों की कलात्मक प्रतिभा का अवलोकन कर सकें।

संपादकीय

ऐतिहासिक बदलाव: पश्चिम बंगाल में भाजपा का उदय और सुवेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री पद

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 9 मई 2026 का दिन एक ऐसे ऐतिहासिक अध्याय के रूप में दर्ज हो गया, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पूर्व शायद ही किसी ने की होगी। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य शपथग्रहण समारोह में सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही वे राज्य के इतिहास में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बन गए। राज्यपाल आर.एन. रवि ने उन्हें और उनके पाँच कैबिनेट मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और एनडीए शासित राज्यों के अनेक मुख्यमंत्री उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन केवल एक शपथग्रहण नहीं, बल्कि भाजपा की राजनीतिक शक्ति का एक भव्य प्रदर्शन बन गया। सुवेंदु अधिकारी का यह सफर अत्यंत रोचक और प्रेरणादायक है। 15 दिसंबर 1970 को जन्मे अधिकारी ने अपना राजनीतिक जीवन तृणमूल कांग्रेस के साथ शुरू किया था। वे 2009 और 2014 में तामलुक लोकसभा सीट से सांसद रहे और बाद में पश्चिम बंगाल सरकार में 2016 से 2020 तक परिवहन तथा सिंचाई मंत्री के रूप में कार्य किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वे अत्यंत विश्वस्त सहयोगी माने जाते थे। परंतु 2020 के अंत में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस से नाता तोड़ लिया और दिसंबर 2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने नंदीग्राम सीट से ममता बनर्जी को चुनौती दी और उन्हें पराजित किया। यह जीत उनके और भाजपा दोनों के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। 2026 के विधानसभा चुनाव में सुवेंदु ने एक साथ नंदीग्राम और भवानीपुर, दोनों सीटों से चुनाव लड़ा – जिनमें से भवानीपुर सीट ममता बनर्जी की पारंपरिक सीट है – और दोनों ही सीटों पर शानदार अंतर से जीत दर्ज की। यह एक अत्यंत दुर्लभ घटना थी। 1967 के बाद पहली बार किसी ने दो सीटों से लड़ते हुए सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री को उनकी अपनी सीट पर पराजित किया। इस उपलब्धि ने भाजपा के भीतर उनकी छवि को और भी मजबूत किया तथा उन्हें मुख्यमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार बना दिया। 8 मई 2026 को केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित शाह की उपस्थिति में उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित शपथग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ पाँच कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। इन मंत्रियों में अग्निमित्रा पॉल, दिलीप घोष, निशीथ प्रामाणिक, क्षुदिराम टुडू और अशोक कीर्तनिया शामिल हैं। इस मंत्रिमंडल के गठन में भाजपा ने सामाजिक संतुलन का विशेष ध्यान रखा है। महिलाओं, मतुआ समुदाय, अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है, जो भाजपा की रणनीतिक सोच को दर्शाता है। दिलीप घोष भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य अध्यक्ष हैं, जिन्होंने पश्चिम बंगाल में पार्टी संगठन को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अग्निमित्रा पॉल 2019 में भाजपा में शामिल हुईं और शीघ्र ही पार्टी में ऊँचे पदों तक पहुँचीं। 2020 में उन्हें पश्चिम बंगाल भाजपा महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया। निशीथ प्रामाणिक उत्तर बंगाल के एक प्रमुख युवा नेता हैं। क्षुदिराम टुडू बांकुड़ा जिले के आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि हैं, जो जंगलमहल क्षेत्र की आदिवासी जनसंख्या की आवाज बनेंगे। इस ऐतिहासिक घटनाक्रम को समझने के लिए पश्चिम बंगाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि पर दृष्टि डालना आवश्यक है। 1977 से 2011 तक लगातार 34 वर्षों तक वाममोर्चे का शासन रहा। फिर 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने सत्ता में आई और 15 वर्षों तक शासन किया। इस बार भाजपा ने न केवल सत्ता में प्रवेश किया, बल्कि प्रभावशाली बहुमत भी हासिल किया। यह उस राज्य में हुआ है जहाँ भाजपा को वर्षों तक एक कमजोर तीसरे दल के रूप में देखा जाता था।

ब्रिगेड परेड ग्राउंड का चुनाव भी प्रतीकात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह मैदान वामपंथियों और तृणमूल कांग्रेस, दोनों की विशाल जनसभाओं का ऐतिहासिक गवाह रहा है। भाजपा ने इसी मैदान पर अपनी सरकार का शुभारंभ करके एक स्पष्ट संदेश दिया कि अब राज्य में नई राजनीतिक शक्ति का उदय हो चुका है। समारोह में केसरिया रंग की छटा और बाउल संगीत ने बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को भाजपा की राष्ट्रवादी राजनीति के साथ जोड़ने का प्रयास किया। सुवेंदु अधिकारी भाजपा के नरेंद्र मोदी के युग में पार्टी के नौवें ऐसे नेता हैं जो पहली बार किसी राज्य में मुख्यमंत्री बने हैं। यह तथ्य भाजपा के राष्ट्रीय विस्तार की गाथा का हिस्सा है। अब देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले और राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील राज्यों में से एक – पश्चिम बंगाल – भी भाजपा के शासन के अंतर्गत आ गया है। नई सरकार के सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति, आर्थिक विकास, बाहरी घुसपैठ की समस्या और विपक्ष की सक्रियता – ये सभी मुद्दे अधिकारी सरकार की परीक्षा लेंगे। ममता बनर्जी ने हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया है और विपक्ष में सक्रिय भूमिका निभाने का संकेत दिया है। शपथग्रहण के दिन ही उन्होंने कालीघाट में रवींद्र जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जो उनकी राजनीतिक सक्रियता का प्रमाण है। निष्कर्षतः, सुवेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, बल्कि यह पश्चिम बंगाल की राजनीति के एक नए युग की शुरुआत है। यह भाजपा की राजनीतिक शक्ति के बढ़ते परिदृश्य का प्रतीक है जिसमें क्षेत्रीय वर्चस्व की दीवारें धीरे-धीरे टूट रही हैं। पश्चिम बंगाल में दशकों पुराने राजनीतिक एकाधिकार का अंत एक नए अध्याय की शुरुआत है। अब देखना यह है कि अधिकारी सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरती है या नहीं – क्योंकि सत्ता में आना जितना कठिन होता है, उसे बनाए रखना उससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

भारत – मेडिकल टूरिज्म नहीं, स्वास्थ्य पुनर्जागरण का भारतीय मंदिर

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वास्थ्य क्रांति के वैश्विक मानचित्र पर भारत अब निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। दुनिया जहां महंगे इलाज और सीमित सुविधाओं से जूझ रही है, वहीं भारत किफायती, गुणवत्तापूर्ण और समग्र चिकित्सा का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। प्राचीन आयुष परंपरा और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का संगम इसे विशिष्ट पहचान देता है। 2025 में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल बाजार लगभग 8.7 बिलियन डॉलर है, जो 2030 तक 16.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व के उदय का स्पष्ट संकेत है। भारत अब सिर्फ इलाज का विकल्प नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक चिकित्सा गंतव्य बनता जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में किफायत और गुणवत्ता का संतुलन बनाकर भारत एक नई परिभाषा स्थापित कर रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में यहां हृदय बाईपास, कैंसर उपचार, हिप-नी रिप्लेसमेंट, अंग प्रत्यारोपण और आईवीएफ जैसी जटिल प्रक्रियाएं 60 से 90 प्रतिशत तक कम खर्च में उपलब्ध हैं। यही कारण है कि भारत अब 'सस्ता विकल्प' नहीं, बल्कि 'सर्वोत्तम मूल्य' वाला देश बन चुका है। जेसीआई और एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पताल, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टर विदेशी मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा रहे हैं। 2025 में 9.15 मिलियन विदेशी पर्यटकों में से लगभग 5.07 लाख मरीज उपचार के लिए भारत आए, जो इसकी बढ़ती चिकित्सा विश्वसनीयता को दशार्ता है। यह प्रवृत्ति हर वर्ष तेज गति से आगे बढ़ रही है।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन रहा है। आयुष प्रणाली अब केवल वेलनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि गंभीर रोगों के बाद तेजी से रिकवरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, क्रॉनिक बीमारियों के प्रबंधन और मानसिक तनाव में राहत देने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र हैं। यूनियन बजट 2026-27 में पाँच क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की घोषणा की गई है, जहां आधुनिक चिकित्सा और आयुष सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध होंगी। साथ ही तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित किए जाएंगे। यह समन्वय भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

नीतिगत दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने भारत को वैश्विक हेल्थकेयर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूत आधार दिया है। आयुष वीजा और 'हील इन इंडिया' पोर्टल ने विदेशी मरीजों के लिए उपचार प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है। गुजरात के जामनगर में स्थित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर आयुष को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान कर रहा है। हैदराबाद, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और कोच्चि जैसे शहर मेडिकल टूरिज्म के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। यहां आधुनिक अस्पतालों के साथ योग और पुनर्वास सुविधाएं भी विकसित हो रही हैं। सर्जरी के बाद मरीज आयुर्वेदिक थेरेपी से तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं, जिससे भारत की विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

दुनिया भर में बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताएं भारत के मॉडल को तेजी से लोकप्रिय बना रही हैं। विकसित देशों में बढ़ती इलाज लागत, लंबी प्रतीक्षा सूची और दवाओं के दुष्प्रभाव मरीजों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। बांग्लादेश, अफ्रीकी देशों, मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया से लाखों मरीज भारत में किफायती और गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त कर रहे हैं। यहां उन्हें केवल इलाज ही नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य सुधार का अनुभव मिलता है। भारत का यह मॉडल इलाज, रोकथाम, पुनर्वास और जीवनशैली संतुलन को जोड़कर भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली का मार्ग तैयार कर रहा है। यह बदलाव वैश्विक स्वास्थ्य दृष्टि को नई दिशा दे रहा है।

भारत का यह सफर आर्थिक विकास, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय सेवा को एक साथ सशक्त कर रहा है। देश का स्वास्थ्य ढांचा अब केवल उपचार प्रणाली नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति का मजबूत आधार बन चुका है। प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम यह संदेश देता है कि वास्तविक स्वास्थ्य केवल इलाज नहीं, बल्कि संतुलित जीवनशैली है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम, आयुष क्वालिटी मार्क और मेडिकल डिवाइस उद्योग के विस्तार से भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह क्षेत्र रोजगार और निर्यात का बड़ा स्रोत बन रहा है। यदि यह गति बनी रही, तो 2030 तक भारत वैश्विक हेल्थकेयर हब बनने के साथ समग्र और किफायती स्वास्थ्य समाधान का अग्रणी केंद्र होगा। यह प्रगति भारत को एक सशक्त वैश्विक स्वास्थ्य शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख उसे वैश्विक स्वास्थ्य परिदृश्य में प्रमुख स्थान दिला रही है। किफायती, भरोसेमंद और समग्र चिकित्सा सेवाओं के कारण यह विदेशी मरीजों के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है। मेडिकल टूरिज्म से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित हो रहे हैं। अस्पताल, शोध संस्थान, योग केंद्र और वेलनेस सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। यह उपलब्धि केवल स्वास्थ्य क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य का ठोस प्रमाण है, जो देश को नई वैश्विक पहचान दे रही है। यह बदलाव भारत को भविष्य की स्वास्थ्य महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है।

दुनिया की स्वास्थ्य व्यवस्था अब एक निर्णायक बदलाव के मुहाने पर भारत की ओर मुड़ती दिखाई दे रही है। यहां का मॉडल केवल उपचार की प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और समग्र रूप से संवारने वाली गहरी दृष्टि है। सस्ती, सुलभ चिकित्सा और आयुष की प्राचीन ज्ञान परंपरा इसे अलग पहचान देती है। ह्यहील इन इंडियाह्न पहल, आयुष वीजा और निजी क्षेत्र की भागीदारी इस गति को लगातार मजबूत कर रही है। 'आत्मनिर्भर भारत' की यह शक्ति वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे में नई उम्मीद और ऊर्जा भर रही है। आने वाले समय में भारत न सिर्फ उपचार का केंद्र बनेगा, बल्कि मानवता के लिए भरोसे, स्वास्थ्य और आशा का स्थायी आधार भी सिद्ध होगा। यह यात्रा भारत को विश्व कल्याण के नए युग का वास्तविक शिल्पकार बना रही है।

आज का राशिफल

मेष: आज आप किसी नये कार्य की शुरूआत करने को लेकर उत्साहित रहेंगे। लंबे समय से उलझे मामलों में सफलता मिलने की संभावना है। प्रभावशाली लोगों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो सकती है। आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आज आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। विद्यार्थियों के लिये दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। धैर्य और समझदारी से लिये गये फैसले लाभकारी साबित होंगे। अधूरे कार्य पूरे करने का दबाव बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है, इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता बनाये रखें। आर्थिक सीमाओं के कारण कुछ योजनाएँ समय पर पूरी नहीं होंगी। किसी करीबी या सहयोगी से धोखा मिलने की आशंका है। स्वार्थी लोगों से दूरी बनाकर रखें। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: आज परिवार के साथ खरीदारी या घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है। प्रेम संबंधों में आगे बढ़ने के लिये दिन शुभ है और आप अपने प्रिय को प्रपोज कर सकते हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम की चर्चा हो सकती है। नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बना सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: सरकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों का सम्मान बढ़ेगा। आज आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे और कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। कार्यकुशलता में वृद्धि होने से अधिकारी भी प्रसन्न रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना जरूरी होगा। परिवार के बड़े सदस्य किसी महत्वपूर्ण विषय पर आपकी राय ले सकते हैं। अनावश्यक संबंधों से दूरी बनाये रखें, अन्यथा प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। बच्चों पर अपनी इच्छाएँ थोपने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आज आपकी कार्यक्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें। कार्यस्थल पर कुछ लोग आपकी सफलता से ईर्ष्या कर सकते हैं। अधिकारी वर्ग का भरोसा आपके ऊपर मजबूत होगा। घर-परिवार में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार में प्रगति होने से मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन में बेहतर तालमेल बना रहेगा। मीडिया और संचार क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष उपलब्धि मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद सुलझने की संभावना है। कार्यों की गति थोड़ी धीमी रह सकती है। नौकरी में अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। वर्तमान परिस्थितियों से थोड़ी असंतुष्टि महसूस हो सकती है। प्रेम संबंधों में गलतफहमियाँ बढ़ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकर: जीवनसाथी की ओर से कोई विशेष उपहार मिल सकता है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी और युवा साथी एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। ससुराल पक्ष में किसी आयोजन में शामिल हो सकते हैं। नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: कार्यक्षेत्र में किसी के साथ विवाद होने की आशंका है। क्रोध और जल्दबाजी वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ा सकती है। पुरानी नकारात्मक बातें आपके मन को परेशान कर सकती हैं। आज शांत और सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज कारोबार में वृद्धि के अच्छे संकेत हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और मानसिक रूप से खुद को मजबूत महसूस करेंगे। शुभ कार्यों और धार्मिक गतिविधियों पर धन खर्च हो सकता है। सभी जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। *(सिटी दर्पण)*

10 मई 1857 : मेरठ से सशस्त्र क्राँति का उद्घोष

रमेश शर्मा (हि.स)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मई 1857 को मेरठ सैन्य छावनी से आरंभ हुई सशस्त्र क्राँति पूरे देश में फैली। यद्यपि अंग्रेजों से भारत की मुक्ति के लिये इससे पहले भी सशस्त्र संघर्ष हुये किन्तु मेरठ क्राँति का स्वर पूरे देश में गूँजा और जन सामान्य भी इस संघर्ष में सहभागी बना।

दासत्व के अंधकार की अवधि भारत में सबसे लंबी रही। किंतु आक्रांताओं और विदेशी शासकों के दमन के बीच भारत का स्वत्वबोध भी अक्षुण्य रहा। स्वतंत्रता के लिये सदैव संघर्ष हुआ। 1857 की इस क्रान्ति से पहले दक्षिण भारत में रानी चैनम्मा सहित पंजाब और रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों में संघर्ष के विवरण मिलते हैं। पर 1857 की क्रांति पहला ऐसा संघर्ष था जिसका पूरे देश में विस्तार हुआ। पहले के संघर्षो में दो कमियाँ रहीं। एक तो वे स्थानीय अथवा क्षेत्रीय रहे और दूसरा संघर्ष राज सैनिकों तक ही सीमित रहा लेकिन 1857 की क्राँति में पूरा भारतीय समाज सहभागी बना। इसमें न जाति की कोई रेखा थी न धर्म की, न राजा का भेद था न सेवक का। सब कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के अभियान में जुट गये थे। यदि रानी लक्ष्मीबाई और लखनऊ की बेगम सक्रिय हुई तो कानपुर में नृत्य गान से अपनी आजीविका कमाने वाली महिलाएँ भी सहभागी बनी। भारत के सभी धर्म, सभी वर्ग, सभी वर्ण और सभी आयु समूह के लोग इस संघर्ष में सहभागी बने। देश का कोई ऐसा कोना नहीं जहाँ इस संघर्ष की ज्वाला प्रकट न हुई हो।

उन दिनों भारत में दो प्रकार की शासन व्यवस्था थी। एक तो कुछ क्षेत्र सीधे अंग्रेजों के आधीन थे। वहां उनके अधिकारी सीधा नियंत्रण रखते थे और दूसरी ओर कुछ क्षेत्र रियासतों के आधीन। रियासतों में कहने के लिये राजा या नबाब हुआ करते थे पर ये राजा नबाब सब अंग्रेजों की कठपुतली थे। हर रियासत में अंग्रेज पोलिटिकल एजेन्ट रहता था। वह अपने अनुसार इन्हें संचालित करता था। राज परिवार में कौन उत्तराधिकारी होगा यह निर्णय भी अंग्रेज करते थे। हर रियासत के लिये वसूली का एक टारगेट होता था। जो हर हालत में वसूल होता था। यह वसूली में बरती जाने वाली क्रूरता से कई लोगों की मौत भी हो जाती थी जिसे पूछने वाला भी कोई न था। अंग्रेजों के इस दबाव से पूरे देश की जनता में बहुत रोष था और जब मेरठ से क्राँति आरंभ हुई तो सबका स्वर समवेत हो गया ।

क्रान्ति का बीजारोपण बैरकपुर छावनी से

मेरठ से आरंभ हुई इस क्रान्ति का बीजारोपण मेरठ से बहुत दूर बंगाल की बैरकपुर छावनी से हुआ था। भारत की सैन्य छावनियों में ऐसे कारतूस आये जिनके बारे में कहा जाता था कि उनमें गाय और सुअर की चर्बी का कोड है। इन कारतूसों का उपयोग 1853 से आरंभ हुआ था। कारतूस की बनावट ऐसी थी कि इसे बंदूक में डालने के लिये कवर खोलना होता था, जिसे मुँह से खींचा जाता था। कारतूस पर गाय और सुअर की चर्बी का कोड होने की चर्चा के चलते सैनिक मुँह से खोलने से बचने लगे। सैनिकों ने अपनी बात अधिकारियों तक पहुँचाई किन्तु बात नहीं बनीं। तब मार्च 1857 में बंगाल की बैरकपुर छावनी के सैनिकों ने आवाज उठाई और सिपाही मंगल पांडे सामने आये। वे इस सैन्य छावनी की 34 वीं इन्फ्रेन्ट्री में सिपाही थे। उन्होंने अपने कुछ साथी सैनिकों से चर्चा की और संयुक्त रूप से प्रतिकार करने का आव्हान किया। उनकी बात से अनेक सैनिक सहमत तो थे पर विरोध करने का साहस न कर पा रहे थे। इन चचाओं भनक कमांडर तक पहुँची।

सैन्य कमांडर ने 29 मार्च 1857 को परेड बुलाई और कारतूस लोड कर फायरिंग का आदेश दिया किन्तु सैनिकों ने आदेश मानने से इनकार कर दिया। इसपर कुछ अंग्रेज सैन्य अधिकारी परेड मैदान में ही सैनिकों के साथ दुर्व्यवहार करने लगे, पीटने लगे। इसका सिपाही मंगल पाँडे ने विरोध किया तो सार्जेंट-मेजर जेम्स ह्यूसन बंदूक लेकर उनकी ओर दौड़ा। वह समीप आता इससे पहले ही सिपाही मंगल पाडेय ने उसपर गोली चला दी लेकिन वह बच गया। जनरल जॉन हर्से ने मंगल पाँडे को बंदी बनाने का आदेश जमादार ईश्वरी प्रसाद को दिया। जमादार ईश्वरी प्रसाद ने भी आदेश मानने से इनकार कर दिया। वहाँ मौजूद सैनिकों में से कोई भी मंगल पांडे गिरफ्तार करने आगे नहीं आया। तब उस छावनी से मौजूद एक अन्य टुकड़ी के सिपाही बुलाये गये। सैनिक शेख पलटू अपनी टोली के साथ आगे आया। मंगल पाँडे और ईश्वरी प्रसाद बंदी बना लिये गये। 6 अप्रैल उनका कोर्ट मार्शल हुआ। 8 अप्रैल को क्राँतिकारी मंगल पाँडे और 21 अप्रैल को जमादार ईश्वरी प्रसाद फांसी पर चढ़ा दिये। बटालियन के सभी सैनिकों से हथियार ले लिये गये। अंग्रेज सरकार ने यह पूरी रेजिमेंट भंग कर दी। सभी सैनिकों को बर्खास्त कर दिया गया। यह बर्खास्तगी साधारण नहीं थी। पहले परेड बुलाई, उनकी वर्दी ही नहीं सारे कपड़े उतारे गये। काफी अपमानित किया गया। शेख पलटू को पदोन्नत करके हवलदार बना दिया गया। जिस प्रकार इस इन्फेन्ट्री के सैनिकों को अपमानित किया गया था उसकी प्रतिक्रिया देशभर की छावनियों में हुई लेकिन मुखर स्वर देने का काम मेरठ छावनी से हुआ।

मेरठ से राष्ट्रव्यापी बनी क्राँति

बंगाल की बैरकपुर छावनी में जिस 34 वीं इन्फेन्ट्री को भंग करके सैनिकों को अपमानित किया गया था उसके अधिकांश सैनिक उत्तरप्रदेश के थे। क्राँतिकारी मंगल पांडे भी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के थे। सैनिक अपने अपने घरों को लौटे। ये समाचार छिप न सका। छावनियों में नये कारतूस को लेकर जो असंतोष था उसे सैनिकों के इस अपमान के समाचार ने हवा दी। बैरकपुर घटना

पर अंग्रेज सरकार ने भी छावनियों में'अलर्ट' जारी किया। मेरठ छावनी में दोनों समाचार पहुँचे। सैनिकों के अपमान का भी और अधिकारियों को अलर्ट रहने का भी। मेरठ की यह सैन्य छावनी देश की सबसे बड़ी छावनी थी और दिल्ली का सुरक्षा कवच भी। यहाँ लगभग पांच हजार सैनिक रहा करते थे । इनमें 2357 भारतीय मूल के और 2038 सैनिक विदेशी मूल के थे। इन्हें नियंत्रित करने के लिये अंग्रेज अधिकारियों की टोली तैनात थी जिनकी सुरक्षा के लिये स्वचालित बंदूकों के साथ बारह सिपाहियों का दल सदैव सक्रिय रहता था। स्वचालित बंदूकों वाले ये सभी सैनिक विदेशी होते थे।

कारतूसों को लेकर मेरठ छावनी में भी भारी असंतोष था। इन्हें बदलने के लिये अधिकारियों से आग्रह भी किया जा चुका था पर स्थिति यथावत रही। जब बैरकपुर छावनी के घटनाक्रम के समाचार और सरकार का अलर्ट मेरठ छावनी आया तो वातावरण उफान पर आ गया। सैनिकों में कारतूस से उत्पन्न अंसतोष कम करने के लिये कमांडिंग आफीसर लेफ्टिनेंट कर्नल जॉर्ज स्मिथ ने 24 अप्रैल 1857 को परेड बुलाई और कारतूस के बारे में फैली चर्चा को केवल अफवाह बताया। सैनिकों को वह विकल्प भी समझाया गया कि यदि किसी सैनिक को यह कारतूस मुँह से नहीं खोलना है तो वह बिना मुँह लगाये कारतूस कैसे खोल सकता है। छावनी में तैनात सैनिकों को अलग-अलग टुकड़ियों में बाँटकर यह समझाइश दी जाने लगी लेकिन इसका कोई बहुत प्रभाव न पड़ा। ऐसे अभ्यास में कुछ सैनिकों ने भाग लिया और कुछ बहाना बनाकर दूर रहे।

8 मई 1857 को आयोजित ऐसी ही एक अभ्यास परेड में 90 सैनिक उपस्थित थे। इनमें से 85 ने यह कारतूस छूने से इनकार कर दिया। इन सैनिकों से हथियार ले लिये गये और बंदी बना लिया गया। 9 मई को इन बंदी सैनिकों की परेड हुई। इन सभी सैनिकों को कोर्ट मार्शल के आदेश हुये। सजायें सुना दी गई। पूरी छावनी में इस निर्णय से भारी असंतोष फैला और अगले ही दिन 10 मई को छावनी के सभी भारतीय सैनिक शस्त्र लेकर अंग्रेजों पर टूट पड़े। केवल 72 घंटे के भीतर पूरे मेरठ परिक्षेत्र में सशस्त्र क्राँति का आरंभ हो जाना सभी शोधकताओं और इतिहासकारों के लिये आश्चर्य का विषय रहा है। यह ठीक है कि अंग्रेजी सरकार द्वारा किसानों और व्यापारियों से की जानी वाली वसूली शोषण की पराकाष्ठा थी। वसूली कर्ता जो अपमान करते थे उससे जन सामान्य में बहुत असंतोष था। बैरकपुर छावनी के समाचार तो आ ही चुके थे। अब मेरठ सैन्य छावनी में आठ मई को हुये घटनाक्रम का समाचार भी फैला तो जन सामान्य और आक्रोशित हो गया और दस मई को छावनी के भीतर और बाहर एक साथ क्राँति की ज्वाला धधक उठी।

यद्यपि इतिहास की पुस्तकों में कुछ बातें स्पष्ट नहीं हैं फिर भी इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि मेरठ छावनी के भीतर और बाहर जन सामान्य के बीच कोई ऐसा सूत्र अवश्य होगा जिसने क्राँति के लिये दोनों धाराओं को जोड़ा। कुछ पुस्तकों में भी उल्लेख है कि जिन दिनों मेरठ छावनी में सैन्य क्राँति आरंभ हुई उन्हीं दिनों स्वामी दयानन्द सरस्वती का मेरठ प्रवास था । वे लगभग एक माह रुके थे । उनके प्रवचन राष्ट्र स्वाभिमान और स्वत्व जागरण से संबंधित होते थे । कुछ विश्लेषण कताओं का मानना है कि मेरठ में हुई इस जनक्रांति को उत्प्रेरित करने में महर्षि दयानंद सरस्वती के प्रवचनों और पेशवा नानासाहेब की भूमिका महत्वपूर्ण थी। हो सकता है सत्य कोई और हो पर इस तथ्य पर स्वतंत्र शोध आवश्यक है कि वह शक्ति कौन थी जिसके चलते संतों, साधुओं और पुरोहितों की टोलियाँ ने देश भर में घूम घूम कर जन जागरण किया । इस क्रांति के संदेश के लिये प्रतीक के रूप में 'रोटी और कमल थे।'

जो हो पर 110 मई को क्राँति के लिये जन सैलाब सड़क पर आ गया। दस मई को रविवार का दिन था । रविवार का दिन अंग्रेज अधिकारी और सैनिकों केलिये अवकाश का दिन होता है। वे छुट्टी मनाते हैं और चर्च जाते हैं। उस दिन मेरठ छावनी में अंग्रेज सैनिकों और अधिकारियों की यही दिनचर्या रही। रविवार को सामान्य दिनों की भाँति ही सूर्योदय हुआ लेकिन जैसे ही अंग्रेज अधिकारी और सैनिक चर्च में गये तो तूफान उठ खड़ा हुआ। छावनी के अधिकांश भारतीय सैनिक हथियार लेकर निकल पड़े। उन्होंने सबसे पहले शस्त्रागार पर अधिकार किया और सभी बंदी सैनिकों को मुक्त किया। विद्रोह को दबाने के लिये कुछ अधिकारियों ने मोर्चा संभाला किन्तु मारे गये। सैनिकों का यह समूह छावनी से बाहर आया और नगर के विभिन्न स्थानों में फैल गया सरकारी कार्यालय भवन और उनका रिकार्ड जला दिया गया। एक समूह कोतवाली की ओर गया। मानों कोतवाल धनसिंह प्रतीक्षा ही कर रहे थे। उन्होंने कोतवाली का शस्त्रागार खोल दिया । कोतवाली में तैनात समूचा पुलिस बल भी क्राँति में शामिल हो गया।

मेरठ छावनी में एक 11वीं बंगाल नेटिव इन्फेंट्री भी तैनात थी। इस इन्फ्रैन्ट्री सैनिकों ने ब्रिटिश अधिकारियों के वफादार थे, उन्होंने अँग्रेजों और उनके परिवारों को सुरक्षित रामपुर रियासत पहुँचाया। रामपुर नबाब अंग्रेजों के कट्टर समर्थक माने जाते थे। यहाँ सभी अंग्रेज परिवारों को पूरी सुरक्षा मिली। क्राँति में ही अंग्रेज और उनके समर्थक मारे गये जिन्होंने क्राँतिकारियों को रोकने का प्रयास किया था। यह क्रांति कितनी प्रबल और सुसंगठित होगी इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि दस मई को प्रातः सूर्योदय से तीसरे प्रहर तक के कुछ घंटों में ही समूचा मेरठ परिक्षेत्र अंग्रेजों से मुक्त हो गया था। न केवल नगर परिक्षेत्र अपितु आसपास के गाँवों भी अंग्रेज सरकार के वफादार कारिन्दों को मारकर भगा दिया था । मेरठ पर पूर्णतया अधिकार करने के बाद क्राँतिकारियों की सैन्य टुकड़ियाँ दिल्ली की ओर रवाना हो गईं।

क्राँतिकारियों की पहली घुड़सवार टुकड़ी 11 मई 1857 को प्रातः दिल्ली पहुँच गई थी। दो अन्य टुकड़ियाँ दोपहर तक। मेरठ में आठ और नौ मई को घटी घटनाओं का विवरण पहले ही पहुँच गया था। इससे अंग्रेज अधिकारी सतर्क हो गये थे और अपने परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना आरंभ कर दिया था। दिल्ली पहुँचे क्राँतिकारियों से दिल्ली के सैनिक भी मिले। सबने मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर से सत्ता संभालने का आग्रह किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

आरंभ में लगा कि भारत अंग्रेजों से मुक्त हो गया। पर यह क्राँति अधिक दिनों स्थाई न रह सकी। अंग्रेज कहने लिये तो भाग गये थे पर उन्होंने हार नहीं मानी थी । अंग्रेजों ने भारत के भीतर ही सुरक्षित स्थान तलाश करके अपने विश्वासघाती सक्रिय किये जिन्होंने क्राँतिकारियों के बीच परस्पर अविश्वास पैदा किया। अंग्रेजों ने बाहर से कुछ अधिकारी भी बुलाये और भारत में सेना की नई बटालियनें तैयार कीं और टूट पड़े। उन्होंने एक साथ सभी क्राँतिकारियों पर हमला नहीं बोला। एक एक करके निशाने पर लिया। मेरठ में क्राँतिकारियों की सत्ता बमुश्किल दो माह चली और दिल्ली में चार माह।

अंग्रेजों ने जुलाई 1857 में मेरठ और उसके आसपास के गाँवों में जो दमन किया, सामूहिक नरसंहार किया उसका रोंगटे खड़े कर देने वाला विवरण इतिहास के पन्नों में मिलता है । दिल्ली की सत्ता अंग्रेजों के हाथ सितम्बर माह में आ गई थी। बादशाह बहादुरशाह जफर को बंदी बनाकर रंगून भेज दिया गया। पूरे देश में इस क्रान्ति का पूरी तरह दमन करने में लगभग डेढ़ वर्ष लगा। मेरठ में हुई इस क्राँति का विवरण मेरठ के गजेटियर में है । इसके अतिरिक्त आचार्य दीपांकर द्वारा रचित पुस्तक 'स्वाधीनता आँदोलन' में और स्वातंत्र्य वीर सावरकर की पुस्तक '1857 का स्वातंत्र्य समर' सहित अनेक पुस्तकों में भी है।

ब्रिटिश इतिहासकारों और सैन्य अधिकारियों ने इसके कारण और दमन का विवरण लिखा है। मेरठ में इस क्रांति की स्मृति में शहीद स्मारक बना हुआ है जिस पर उन सभी 85 सैनिकों के नाम अंकित हैं जिन्होंने 8 मई 1857 को सबसे पहले कमांडर का आदेश मानने से इनकार कर दिया था।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब की हवा में घुल रही है बारूद की गंध, सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी

राजेश शांडिल्य (हि.स)

गीत-संगीत, जीवंत संस्कृति वाले पंजाब की खूबसूरत विरासत धमाकों के घटनाक्रमों के बीच दरक रही है। प्रतीत होता है कि पंजाब की हवा में एक बार फिर बारूद की गंध घोलने की साजिश रची जा रही है। संतोष कर सकते हैं कि अभी तक किसी भी घटनाक्रम में बड़े जानमाल की क्षति नहीं हुई, मगर भय का वातावरण अवश्य व्याप्त हुआ है। गुरुओं की भूमि को पहले भी इसी तरह की साजिश के बूते दहलाने का काम हुआ था और बड़े प्रयासों के बाद उस पर अंकुश लगा था। एकबार फिर उसी तरह की छटपटाहट दिख रही है।

नतीजा सामने है कि ताजा घटनाक्रम मुख्यमंत्री भगवंत मान के जालंधर दौरे से चंद घंटे पहले हुआ। 5 मई 2026 को बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक जोरदार विस्फोट हुआ। पंजाब में मंगलवार रात जालंधर और अमृतसर में दो संदिग्ध धमाके हुए हैं। इनमें जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के बाहर चौक पर खड़ी स्कूटी में रात करीब सवा 8 बजे विस्फोट हुआ, जबकि अमृतसर के खासा में रात करीब 11 बजे मिलिट्री कैंप की दीवार के पास धमाका हुआ, जिसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पंजाब में इस घटना सहित करीब 19 माह के दौरान 24 घटनाक्रम सामने आ चुके हैं। इनमें ग्रेनेड फेंकने और धमाके सुर्खियों रहे हैं। पंजाब की आबोहवा में बारुद की गंध घुलने से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है।

जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के बाहर स्कूटी में धमाके की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके से पहले दोपहर को ही आतंकी वारदात का अलर्ट आ चुका था। इससे पहले राजपुरा शंभू रेल खंड पर ट्रैक उड़ाने की कोशिश और एक की मौत हो चुकी है। गुरदासपुर में भाजपा नेता के शोरूम के बाहर ग्रेनेड फेंकने की घटना ने भी सुरक्षा तंत्र को अलर्ट पर ला दिया था।

सितंबर 2024 से 5 मई 2026 तक पंजाब और चंडीगढ़ में ग्रेनेड और विस्फोटकों से जुड़ी करीब 24 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें पुलिस चौकियां, थाने, चेक पोस्ट, हिंदूवादी संगठनों के प्रतिनिधि, राजनीतिक नेता, धार्मिक स्थल और निजी मकान तक निशाने पर रहे। यही वजह है कि अब इन घटनाओं को अलग-अलग घटनाएं नहीं बल्कि एक सुनियोजित तौर पर देखा जा रहा है।

सबसे पहले सुरक्षा ठिकानों को निशाना बनाया गया। दिसंबर 2024 में अमृतसर, गुरदासपुर, बटाला और मजीठा में लगातार पुलिस चौकियों और थानों पर ग्रेनेड हमले हुए। कहीं ग्रेनेड फटा तो कहीं पिन नहीं निकलने या तकनीकी वजह से बड़ा नुकसान टल गया। इसके बाद 2025 में हमलों का दायरा बदल गया। अमृतसर में मंदिर को निशाना बनाया गया। जालंधर में भाजपा नेता के घर और एक यूट्यूबर के मकान पर हमला हुआ। इससे साफ संकेत मिला कि हमलावर सिर्फ सुरक्षा एजेंसियों को चुनौती नहीं दे रहे बल्कि समाज में डर और अस्थिरता का माहौल बनाना चाहते हैं।

2025 के आखिर और 2026 में घटनाओं का दूसरा पहलू सामने आया। कई जगहों पर ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद हुए। अमृतसर और फिरोजपुर में संयुक्त अभियानों के दौरान पाकिस्तान निर्मित ग्रेनेड मिलने की बात सामने आई। जनवरी 2026 में एजेंसियों की छापेमारी में विस्फोटक सामग्री मिली। इसके बाद 27 अप्रैल 2026 को राजपुरा शंभू रेल खंड पर धमाके ने खतरे को और गंभीर बना दिया। जांच में सामने आया कि रेल ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई थी।

इस मामले में तरनतारन निवासी जगरूप सिंह की मौत हुई और चार संदिग्ध गिरफ्तार किए गए। शुरूआती जांच में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विदेश में बैठे खालिस्तानी नेटवर्क से कनेक्शन की आशंका जताई गई।

इन घटनाओं का सबसे गंभीर पहलू यह है कि हमलों का तरीका छोटा जरूर है लेकिन निशाने बेहद संवेदनशील चुने हैं। सुरक्षा एजेंसियां मान रही हैं कि छोटे हमलों के जरिये सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियां परखी जा रही हैं। यह भी संभावना है कि स्थानीय युवाओं का इस्तेमाल कर मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हों और इनके असली हैंडलर सीमा पार या विदेश में बैठे हों। पंजाब पहले भी आतंकवाद और अलगाववाद का दौर देख चुका है। अस्सी और नब्बे के दशक की हिंसा के बाद लंबे समय में हालात सामान्य हुए थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विदेशों से अलगाववादी बयानबाजी, सोशल मीडिया प्रचार, ड्रोन के जरिये हथियार सप्लाई और छोटे मॉड्यूल की सक्रियता लगातार सामने आती रही है। मौजूदा घटनाएं उसी कड़ी का नया रूप मानी जा रही हैं।

अब सवाल यह है कि क्या ये घटनाएं सिर्फ चेतावनी हैं या किसी बड़े खतरे की घंटी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां लगातार छापेमारी और निगरानी कर रही हैं। कई संदिग्ध पकड़े गए हैं लेकिन असली चुनौती पूरे नेटवर्क और उसके मास्टरमाइंड तक पहुंचने की है। इन घटनाओं को अगर हल्के में लिया गया तो पंजाब के अमन चैन के लिए ठीक नहीं होगा।

(लेखक, विश्व संवाद केंद्र के संपादक हैं।)

पंजाब न कभी झुका और न कभी झुकेगा, सीएम भगवंत सिंह मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पष्ट संदेश दिया

गुरुओं की महान धरती पंजाब औरंगजेब के जुल्मों के आगे नहीं झुका था और अब मोदी के सामने भी नहीं झुकेगाः मान

- ईडी और भाजपा के अनैतिक गठजोड़ का पतन पंजाब से ही होगाः भगवंत सिंह मान
- बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून पास होने के बाद बौखलाहट में आकर भाजपा हमें डराने-धमकाने के लिए रोज नए हथकंडे अपना रही है- भगवंत सिंह मान
- एक साल में तीसरी बार संजीव अरोड़ा के घर ईडी का छापा पड़ रहा है, पहले भी कुछ नहीं मिला, अब भी कुछ नहीं मिलेगा- भगवंत सिंह मान
- भाजपा लगातार सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स और चुनाव आयोग का दुरुपयोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए कर रही है-भगवंत सिंह मान
- पंजाबियों ने तीन काले कृषि कानून लाने के मौके पर मोदी को झुकने के लिए मजबूर कर दिया था, अब उसका बदला ले रहे हैं -भगवंत सिंह मान
- मोदी सरकार का ईडी से रेड करवाने का मकसद काला धन बरामद करना नहीं, बल्कि भाजपा में शामिल करवाना है- भगवंत सिंह मान
- अशोक मित्तल के ठिकानों पर छापेमारी हुई, उन्होंने आप छोड़कर भाजपा का पल्ला पकड़ लिया और वाई-श्रेणी की सुरक्षा हासिल कर ली-भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
संगरूर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज आम आदमी पार्टी के नेताओं पर इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) द्वारा बार-बार छापेमारी के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के जरिए डराने-धमकाने और बदले की राजनीति के हथकंडों के आगे पंजाब कभी नहीं झुकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर एक साल में तीसरी बार और एक महीने में दूसरी बार ईडी की रेड के दौरान कुछ भी हाथ नहीं लगा। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि ऐसी छापेमारी सिर्फ उन राज्यों में क्यों की जा रही है जहां भाजपा सत्ता में नहीं है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मोदी सरकार का असली इरादा काला धन की वसूली नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं पर दबाव डालकर उन्हें भाजपा में शामिल करवाना है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जहां जांच एजेंसियों की कार्रवाई का सामना कर रहे नेता बाद में भाजपा में शामिल हो गए और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं और शहीदों की धरती वाला राज्य पंजाब, औरंगजेब के जुल्मों के आगे भी नहीं झुका। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे भी नहीं झुकेगा और यह भी कहा कि भाजपा-ईडी गठजोड़ का पतन पंजाब से ही शुरू होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), इनकम टैक्स विभाग और यहां तक कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाएं अब निष्पक्ष रूप से काम नहीं कर रही हैं, बल्कि गैर-भाजपा शासित राज्यों, खासकर पंजाब को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए निशाना बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने इन संस्थाओं को नेताओं, कारोबारियों और जनप्रतिनिधियों को धमकाने के लिए राजनीतिक दमन के साधनों में बदल दिया है।

उन्होंने कहा, अपनी ड्यूटी निष्पक्षता से निभाने की बजाय इन संस्थाओं का इस्तेमाल अब राजनीतिक हिसाब-किताब तय करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने पूरे देश में यही तरीका अपनाया है जहां छापेमारी भ्रष्टाचार उजागर करने या काला धन वापस लाने के लिए नहीं, बल्कि लोगों पर राजनीतिक दबाव बनाने के लिए की जाती है।

उन्होंने कहा, भाजपा का संदेश साफ है- या तो भाजपा में शामिल हो जाओ या छापेमारी और जांच के जरिए परेशानी का सामना करो। राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल के हालिया मामले का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनके आवास, यूनिवर्सिटी और व्यावसायिक संस्थानों पर दो दिनों तक छापेमारी की गई।

उन्होंने सवाल किया, जिस पल वे भाजपा में शामिल हुए, छापेमारी बंद हो गई और इसके बजाय उन्हें केंद्र से सुरक्षा प्रदान की गई। क्या यह एजेंसियों की राजनीतिक दुरुपयोग की ज्वलंत मिसाल नहीं है? मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि ऐसी चालें पंजाब में कभी सफल नहीं होंगी।

उन्होंने कहा, हम अपनी शुरूआत से ही विरोधी हालातों का सामना कर रहे हैं। पंजाब ने कभी धमकियों के आगे नहीं झुका है और न कभी झुकेगा। कैबिनेट मंत्री और कारोबारी संजीव अरोड़ा के आवास पर ईडी की कार्रवाई का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बार-बार छापों से कुछ नहीं मिला।

उन्होंने कहा, यह राजनीतिक रूप से प्रेरित छापेमारी सिर्फ डर पैदा करने, दबाव बनाने और राजनीतिक विरोधियों की बाजू मरोड़ने के लिए है, लेकिन पंजाब ऐसी चालों के आगे नहीं झुकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब गुरुओं, संतों-महापुरुषों और महान शहीदों की पवित्र धरती है। यह धरती औरंगजेब के जाबर के आगे नहीं झुकी और न ही मोदी के आगे झुकेगी।

उन्होंने आगे कहा कि ईडी और भाजपा के बीच अनैतिक गठजोड़ का अंत पंजाब से ही शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने आगे सवाल किया कि ईडी के छापे मुख्य रूप से विपक्षी सरकार वाले राज्यों में ही क्यों किए जाते हैं जबकि भाजपा शासित राज्य इससे बाहर रहते हैं।

उन्होंने बताया कि जब से आप सरकार ने बेअदबी विरोधी सख्त कानून पास किया है, भाजपा भड़क गई है और राज्य की नेतृत्व को डराने की अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। उन्होंने कहा, एक साल में तीसरी बार संजीव अरोड़ा के घर छापेमारी की गई है। पहले भी कुछ नहीं मिला था और अब भी कुछ नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों ने मोदी सरकार को तीन काले कृषि कानून रद्द करने के लिए मजबूर किया था और अब केंद्र पंजाबियों को तंग-परेशान, बदनाम और निशाना बनाकर बदला लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, इन ईडी छापों का उद्देश्य वसूली नहीं, बल्कि नेताओं को भाजपा में शामिल करने के लिए राजनीतिक दबाव है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब के पास जुल्म का विरोध करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने की शानदार विरासत है। उन्होंने आगे कहा कि दबाव की राजनीति कहीं और काम कर सकती है, लेकिन पंजाब कभी धमकियों या जबरदस्ती के आगे नहीं झुकेगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब ने जालिम ताकतों को हमेशा मुंह तोड़ जवाब दिया है और यहां के लोग जानते हैं कि चुनौतीपूर्ण हालात में भी अपने अधिकारों और मान-सम्मान की रक्षा कैसे करनी है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र ने चंडीगढ़, भाखड़ा, नदियों के पानी और पंजाब यूनिवर्सिटी सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर पंजाब के साथ लगातार भेदभाव किया है।

उन्होंने कहा, केंद्र ने पंजाब का आरडीएफ फंड सहित हजारों करोड़ रुपए के फंड रोके हुए हैं ताकि पंजाब के विकास की रफ्तार को प्रभावित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा में पंजाब के बेमिसाल योगदान के बावजूद राज्य को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, पंजाब राष्ट्रीय पूल में गेहूं और चावल की बड़ी मात्रा में योगदान देकर देश का पेट भरता है, जबकि पंजाबी युवा बेमिसाल हिम्मत और कुबार्नी के साथ देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। फूट डालो राजनीति का सख्त विरोध करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब का सामाजिक ताना-बाना साम्प्रदायिक सद्भावना, भाईचारे की साझ और आपसी सम्मान पर टिका हुआ है। उन्होंने कहा, पंजाब की उपजाऊ मिट्टी में नफरत के अलावा कुछ भी नहीं उग सकता। यहां राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू और सिखों को बांटने की कोशिशें कभी सफल नहीं होंगी। बेअदबी विरोधी कानून पर दृढ़ स्टैंड लेते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब सरकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी और सभी धार्मिक ग्रंथों की पवित्रता व सम्मान की रक्षा के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

कहा कि हाल ही में लागू किया गया बेअदबी विरोधी कानून केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेअदबी विरोधी कानून को दुनिया भर की संगतों से भारी समर्थन मिला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ एक खास परिवार बेअदबी की पिछली घटनाओं में अपनी संलिप्तता के कारण इस कानून का विरोध कर रहा है।

उन्होंने जोर देकर कहा, जो लोग दावा कर रहे हैं कि पंथ ने इस कानून को रद्द कर दिया है, उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि लाखों लोग इसका समर्थन क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए आम लोगों को गुमराह कर रहे हैं और कानून के आस पास अनावश्यक उलझन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

अपनी सरकार की स्थिति स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि बेअदबी विरोधी कानून पहले ही संवैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद लागू किया जा चुका है। उन्होंने कहा, राज्यपाल ने एक्ट को मंजूरी दे दी है। इस कानून को वापस लेने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह कानून लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग के बाद बनाया गया था और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के लिए कोई समझौता नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि सख्त बेअदबी विरोधी कानून की मांग करते हुए लगभग डेढ़ साल से विरोध प्रदर्शन और धरने जारी थे।

उन्होंने कहा कि आज कानून का विरोध करने वाले कई सिख बुद्धिजीवियों और विद्वानों ने पहले भी बेअदबी की घटनाओं के खिलाफ सख्त कानून की मांग की थी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जुलाई 2007 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने खुद एक प्रस्ताव पास करके सरकार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की रक्षा और सम्मान के लिए कानून बनाने का अधिकार दिया था। विरोधी पक्ष के बदलते स्टैंड पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पूछा कि जिन लोगों ने पहले विधायी हस्तक्षेप का समर्थन किया था, वे अब यह कैसे दावा कर रहे हैं कि सरकार ऐसा कानून नहीं बना सकती। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता बराबर अथॉरिटी चलाने की कोशिश कर रहे हैं और संवेदनशील धार्मिक मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

दबाव के तहत बेअदबी विरोधी कानून रद्द नहीं करेगा पंजाब; शुक्राना यात्रा को बड़े स्तर पर मिले हुंकारे से ध्यान हटाने की कोशिशें की जा रही हैं: भगवंत मान

बेअदबी विरोधी कानून के खिलाफ मीटिंगों और विरोध प्रदर्शनों की धमकी देने वाले बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर लोकतांत्रिक समूह को मीटिंग करने का अधिकार है, लेकिन उन्होंने दृढ़ता से कहा कि किसी भी दबाव के तहत कानून को रद्द नहीं किया जाएगा। अपनी चल रही शुक्राना यात्रा पर सवालों के जवाब में, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आरोप लगाया कि ईडी के छापे, नोटिस और विवाद जानबूझकर यात्रा के साथ-साथ किए जा रहे हैं ताकि मीडिया का ध्यान पूरे पंजाब में मिल रहे भारी जनसमर्थन से हटाया जा सके। मुख्यमंत्री ने भाजपा की तानाशाही मानसिकता की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा जनजीवन के हर क्षेत्र, संस्थाओं से लेकर संस्कृति और सार्वजनिक भाषण तक को नियंत्रित करना चाहती है। उन्होंने पंजाब को डर या अस्थिरता की ओर धकेलने की किसी भी कोशिश के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाबी ऐसी राजनीति का एकजुट होकर जवाब देंगे। एक्स पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश के संवैधानिक ढांचे को कमजोर कर रही है। भाजपा अपने राजनीतिक हितों के लिए सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स विभाग और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं का लगातार दुरुपयोग कर रही है। ईडी के छापे सिर्फ उन राज्यों में ही क्यों मारे जा रहे हैं जहां भाजपा सत्ता में नहीं है? यह सीधा लोकतंत्र का कत्ल है। पंजाबियों के खिलाफ नफरत और भेदभाव की राजनीति की जा रही है। हमें डराने और धमकाने के लिए हर रोज नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। मैं एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहता हूंः पंजाब गुरुओं और संतों-महापुरुषों की धरती है। इस उपजाऊ मिट्टी में हर बीज उग सकता है, लेकिन नफरत का बीज यहां कभी जड़ नहीं पकड़ सकता। एक्स पोस्ट पर उन्होंने कहा, असल में बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून पास होने के बाद भाजपा बुरी तरह बौखलाई हुई है। पंजाब के लोगों के साथ ऐसी खेलें खेलना बंद करो। यह तानाशाही रवैया यहां काम नहीं करेगा। हम पूरी ईमानदारी से लोगों की सेवा करते रहेंगे। न तो हम झुकेंगे, न ही रुकेंगे।

भगवंत मान सरकार की ऐतिहासिक पहल, पंजाब के 40 लाख गरीब दलित और पिछड़े वर्ग के परिवारों को मुफ्त राशन किट मिलनी शुरू

- किट में 2 किलो चने की दाल, 2 किलो चीनी, 1 किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी, 1 लीटर सरसों का तेल मिलेगाः भगवंत मान
- मेरी रसोई योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों के रसोई के खर्च को कम करना और पोषण में सुधार लाना हैः भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
संगरूर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज संगरूर जिले के गांव भलवान से गरीबों और जरूरतमंद परिवारों को पौष्टिक खुराक उपलब्ध करवाने के लिए राशन किट वितरित करके मेरी रसोई स्कीम की शुरूआत की।

देश भर में जरूरतमंद परिवारों को पौष्टिक खुराक देने के लिए सबसे बड़ी पहलों में से एक मेरी रसोई स्कीम के तहत राज्य के लगभग 40 लाख गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राशन किट मिला करेगी।

इस स्कीम को बढ़ती महंगाई के दौरान संघर्ष कर रहे परिवारों पर रसोई के बोझ को कम करने के लिए अत्यंत जरूरी मदद बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आप सरकार न सिर्फ ऐलान कर रही है बल्कि मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य देखभाल, महिला-केंद्रित कल्याण स्कीमों और खाद्य सुरक्षा उपायों के माध्यम से हर घर को उचित राहत प्रदान कर रही है।

उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि सामाजिक कल्याण को मजबूत करने के साथ-साथ आप सरकार बुनियादी ढांचे का तेजी से आधुनिकीकरण कर रही है और आने वाले समय में पंजाब को पूरी तरह खंभा-मुक्त राज्य बनाने के लिए जमीनदोज बिजली केबलिंग का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

स्कीम के शुभारंभ समारोह के दौरान विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछली सरकारों ने कल्याणकारी उपायों को सिर्फ गेहूं और दालों की वितरण तक सीमित कर दिया था, जबकि पंजाब सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रयास किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की रसोइयों में रोजाना जरूरतों के लिए आवश्यक सभी चीजें उपलब्ध रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरी रसोई योजना के तहत हर लाभार्थी परिवार को हर तीन महीने में विशेष रूप से तैयार की गई राशन किट मिलेगी, जिसमें सरसों का तेल, दाल, चीनी, नमक, हल्दी और घरेलू रसोई चलाने के लिए जरूरी अन्य वस्तुएं होंगी।

इस बात पर जोर देते हुए कि यह योजना आम परिवारों की सामान्य जरूरतों, खासकर घरेलू जिम्मेदारियां संभालने वाली महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मजबूत और खुशहाल पंजाब तभी बनाया जा सकता है जब हर घर की रसोई चलती रहे और कोई बच्चा भूखा न सोए।

उन्होंने कहा, बच्चों के लिए पौष्टिक खुराक उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और खेलों में भागीदारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार चाहती है कि हर घर में पौष्टिक और जरूरी भोजन पदार्थों की पहुंच हो ताकि बच्चे प्रोटीन की कमी के कारण कमजोरी का शिकार न हों।

पंजाब सरकार के लोक कल्याण-मुखी शासन मॉडल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के लगभग 90 प्रतिशत घरों को अब जीरो बिजली बिल मिल रहे हैं, जिससे परिवारों को पैसे बचाने और घरेलू खर्च चलाने में काफी मदद मिल रही है।

कृषि और सिंचाई सुधारों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सरकार ने किसानों के लिए दिन में निर्बाध बिजली सप्लाई सुनिश्चित की है, जिससे वे रात की मुश्किलों की बजाय दिन में अपने खेतों की सिंचाई कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने पूरे पंजाब में लगभग 14,000 किलोमीटर लंबी रजवाहों, खालों और पाइपलाइनों को बहाल कर और बिछाकर नहरी सिंचाई प्रणाली को फिर से जीवित किया है। इस ऐतिहासिक पहल ने सिंचाई सुविधाओं में सुधार किया है और भूजल को संरक्षित करने में मदद की है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि नहरी पानी की बेहतर उपलब्धता ने किसानों की ट्यूबवेल पर निर्भरता कम की है, जिससे पंजाब में तेजी से कम हो रहे भूजल स्तर के भंडारण को बचाने में बड़ी सहायता मिलेगी।

महिला सशक्तिकरण के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मावां-धीयां सत्कार योजना के लिए रजिस्ट्रेशन प्रगति पर है। इस योजना के तहत हर योग्य महिला को मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा, 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को आगे आना चाहिए और इस स्कीम के लिए रजिस्टर करवाना चाहिए। जनरल वर्ग की महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए जबकि अनुसूचित जाति से संबंधित परिवारों की महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपए दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य महिलाओं के लिए सम्मान, आत्मविश्वास और वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना है ताकि वे अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकें।

स्वास्थ्य देखभाल संबंधी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा, इस योजना के तहत लोग सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में नकद रहित इलाज प्राप्त कर सकते हैं। पंजाब में किसी भी परिवार को चिकित्सा इलाज के लिए जमीन या कीमती चीजें बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि 35 लाख से अधिक स्वास्थ्य कार्ड पहले ही जारी किए जा चुके हैं और सरकार पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच का विस्तार कर रही है।

कल्याणकारी स्कीमों में पहले नौकरशाही द्वारा पैदा की गई अनावश्यक बाधाओं की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने असुविधा का कारण बनने वाली जटिल बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणालियों को हटा दिया है और सभी, खासकर महिलाओं तथा बुजुर्ग नागरिकों के लिए कल्याणकारी स्कीमों संबंधी रजिस्ट्रेशन प्रक्रियाओं को सरल बना दिया है।

उन्होंने कहा, घरेलू काम करने वाली बहुत सी महिलाओं को बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उनके उंगलियों के निशान समय के साथ फीके पड़ जाते हैं। इसलिए पंजाब सरकार ने फोटो-आधारित सत्यापन के माध्यम से प्रक्रिया को सरल बनाया है।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हाल ही में लागू किए गए बेअदबी विरोधी कानून से पंजाब के लोगों को बेहद राहत और संतोष मिला है।

उन्होंने कहा, सालों तक लोगों को बेअदबी की घटनाओं के कारण दुख सहना पड़ा और बेअदबी में शामिल दोषी अक्सर कमजोर कानूनी प्रबंधों के कारण जमानत प्राप्त कर लेते थे। इस नए कानून में सख्त सजा, भारी जुमार्ना, लंबी कैद और उम्रकैद तक की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि कानून को पहले ही राज्यपाल से सहमति मिल चुकी है और कानून को वापस लेने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

उन्होंने आगे कहा, दुनिया भर की सिख संगत द्वारा इस कानून को भरपूर समर्थन मिला है। सिर्फ कुछ राजनीतिक रूप से प्रेरित लोग ही इसका विरोध कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पिछली सरकारें बार-बार लोगों की मांगों के बावजूद सख्त कार्रवाई करने में असफल रहीं, जबकि पंजाब सरकार ने भविष्य में बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून बनाकर अपनी जिम्मेदारी निभाई है।

मुख्यमंत्री ने सरकार के प्रति लोगों के भारी समर्थन और प्यार के लिए उनका धन्यवाद करते हुए कहा, उनकी सरकार ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ काम कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों का पैसा स्कूलों, अस्पतालों, कल्याणकारी स्कीमों और बुनियादी ढांचे के विकास पर खर्च किया जाए।

इस समारोह के दौरान खाद्य एवं सिविल आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक, सीनियर सिविल एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी, पंचायतों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद थे।

इस समारोह की कुछ झलकियां साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर लिखाः आज संगरूर में, हमने 40 लाख परिवारों की भलाई के लिए मुख्यमंत्री मेरी रसोई योजना शुरू की है, जिसके तहत बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए साल में चार बार राशन किटें वितरित की जाएंगी।

उन्होंने आगे लिखा, हमारी सरकार मुफ्त बिजली, मुख्यमंत्री सेहत योजना, मावां-धीयां सत्कार योजना, किसानों को दिन में निर्बाध बिजली सप्लाई और नहरी पानी जैसी सुविधाएं प्रदान करके समाज के हर वर्ग के जीवन को सुगम बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। गांव सतौज से, हम पूरे राज्य से खंभे हटाने के लिए बिजली की तारों को जमीनदोज करने की ऐतिहासिक पहल भी शुरू कर रहे हैं।

पोस्ट में आगे लिखा, पिछली सरकारों ने बेअदबी की घटनाओं पर सिर्फ सियासत की, लेकिन हमने उम्रकैद और 50 लाख रूपए के जुमार्ने वाला सख्त कानून लाकर गुरु मयार्दा की रक्षा को सुनिश्चित किया है। रंगला पंजाब बनाने की दिशा में यह सफर निरंतर जारी रहेगा।

आप सरकार द्वारा ऐतिहासिक कदम, पूरे राज्य के 40 लाख परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा को मजबूत करके घरेलू बोझ को घटाया

मेरी रसोई योजना भगवंत मान सरकार के कल्याण और लोक-केंद्रित मॉडल को दशार्ती है, जो राजनीतिक बयानबाजी की बजाय आम परिवारों के लिए सम्मान, पोषण और वित्तीय राहत को प्राथमिकता देती है।

ऐसे समय में जब बढ़ते घरेलू खर्च देश भर के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को प्रभावित कर रहे हैं, भगवंत मान सरकार ने लगभग 40 लाख परिवारों को रोजाना जीवन के लिए रसोई की जरूरी सप्लाई की सीधी सहायता करके एक ऐतिहासिक और सहानुभूतिपूर्ण कदम उठाया है।

पिछली सरकारों के विपरीत, जो कल्याण को सिर्फ ऐलानों तक सीमित रखती थी, आप सरकार ने खाद्य सुरक्षा के दायरे का विस्तार करते हुए गरीब परिवारों को गेहूं और राशन सहायता के अलावा पौष्टिक जरूरी भोजन पदार्थ उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया है।

पारदर्शी डिलीवरी प्रणालियों, मानक भोजन किटों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक व्यापक पहुंच के माध्यम से, भगवंत सिंह मान सरकार ने स्वस्थ, मजबूत और संतुष्ट पंजाब बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है, जहां कोई भी परिवार अपनी पोषण संबंधी जरूरतों के लिए संघर्ष करने को मजबूर न हो।

जन सुरक्षा के 11 साल, 94 करोड़ नागरिकों को मिला बीमा और पेंशन का सुरक्षा कवच: सीतारमण

पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई ने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने देशभर में नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान करने के 11 साल पूरे कर लिए हैं। इनके तहत अब तक 58 करोड़ (पीएमएसबीवाई), 27 करोड़ (पीएमजेजेबीवाई) और 9 करोड़ (एपीवाई) लोगों का नामांकन हो चुका है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि इन योजनाओं की परिकल्पना सभी को विशेष रूप से समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। ये जन सुरक्षा योजनाएं 9 मई 2015 को शुरू की गई थीं, जो करोड़ों नागरिकों को बीमा और पेंशन का कवच प्रदान कर रही हैं।

भारत सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल इन तीनों प्रमुख योजनाओं का उद्देश्य नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करके और दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता को बढ़ावा देकर, बीमा और पेंशन के दायरे का विस्तार करना है। ये तीनों सरकारी सहायता प्राप्त कार्यक्रम जीवन बीमा, दुर्घटना कवरेज और रिटायरमेंट पेंशन की सुविधा देते हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन योजनाओं के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कम लागत पर बीमा और पेंशन लाभ प्रदान करने के लिए 'जन सुरक्षा' योजनाओं की शुरूआत की थी, जिनमें पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई शामिल हैं।

फोटोः हि.स.

उन्होंने बताया कि पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 27 करोड़ से ज्यादा, पीएम सुरक्षा बीमा योजना में 58 करोड़ और अटल पेंशन योजना के तहत 9 करोड़ नामांकन किए गए हैं। सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई योजना के तहत 10.7 लाख से ज्यादा परिवारों के लिए 21 हजार 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के दावों का निपटारा किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमएसबीवाई के तहत 1.84 लाख से ज्यादा परिवारों के लगभग 3,660 करोड़ रुपये के क्लेम का निपटारा किया गया है। सीतारमण ने सभी हितधारकों की सराहना की जिनमें बैंकों और बीमा कंपनियों के फील्ड अधिकारी भी शामिल हैं, जिनके समर्पित प्रयासों से ये योजनाएं इतनी सफल हो पाई हैं। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य अत्यंत गरीब लोगों को बीमा कवरेज और पेंशन सहायता प्रदान करना है। इन योजनाओं का एक मुख्य केंद्रबिंदु नामांकन और दावों की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण और सरलीकरण रहा है।

चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि ऑनलाइन 'जन सुरक्षा पोर्टल' के लॉन्च से नागरिकों के लिए बैंक शाखाओं या डाकघरों में जाए बिना ही आसानी से पंजीकरण कराना संभव हो गया है। उन्होंने कहा कि दावों की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने से उनका निपटारा तेजी से सुनिश्चित हुआ है, जिससे शोक संतप्त परिवारों को उस समय पर समयोचित सहायता मिल पाती है, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

राहुल गांधी ने की पटना में बीपीएससी शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की निंदा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेसे सांसद राहुल गांधी ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षक भर्ती के चौथे चरण का विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर पटना में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस लाठीचार्ज की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगार युवाओं की आवाज सुनने के बजाय सरकार उन पर बल प्रयोग कर रही है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटना से जुड़ा लगभग एक मिनट का एक वीडियो साझा किया, जिसमें पुलिसकर्मी प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठियां बरसाते दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि अपने रोजगार के अधिकार की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ बिहार पुलिस ने बेरहमी से व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारों के पास बेरोजगार युवाओं के सवालों का जवाब केवल लाठीचार्ज और दमन है।

फोटोः हि.स.

राहुल गांधी ने लिखा कि आज भारत की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और इसका सबसे अधिक असर बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है। लाखों युवा डिग्री और योग्यता हासिल करने के बाद भी रोजगार के लिए भटक रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आती। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब युवा अपने अधिकार और रोजगार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तब उन्हें नौकरी देने के बजाय लाठियां दी जाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य की भाजपा समर्थित सरकारें युवाओं की परेशानियों को समझने के बजाय दमनात्मक रवैया अपना रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि देश का युवा अब भाजपा के झूठे वादों से परेशान हो चुका है और अब वह चुप बैठने वाला नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस हर परिस्थिति में युवाओं के साथ खड़ी रहेगी और उनके रोजगार तथा अधिकारों की लड़ाई में समर्थन जारी रखेगी। उल्लेखनीय है कि बीपीएससी शिक्षक भर्ती के चौथे चरण की अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया, जिसके बाद लाठीचार्ज की घटना सामने आई। घटना के बाद राज्य की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष सरकार पर लगातार निशाना साध रहा है।

छत्तीसगढ़ के बालोद में कार और बाइक की टक्कर, तीन युवकों की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बालोद

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरीडीह गांव के पास बीती रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई।

डौंडीलोहारा टीआई सुनील तिर्की ने बताया कि पिंकापार गांव के तरुण यादव (20 वर्ष), राहुल सेवता (20 वर्ष) एवं नरेंद्र भुआर्या (21 वर्ष) एक ही मोटरसाइकिल से देवरी से डौंडीलोहारा की ओर जा रहे थे। देर रात खैरीडीह के समीप सामने से आ रही अनियंत्रित कार ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तथा तीनों युवकों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डौंडीलोहारा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमॉर्टम हेतु भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है, जबकि कार चालक घटना के बाद फरार हो गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा फरार चालक की तलाश जारी है।

सेंट्रल रिज का 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र 'आरक्षित वन' घोषित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी के पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेंट्रल रिज क्षेत्र के लगभग 673.32 हेक्टेयर इलाके को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित कर दिया है। यह क्षेत्र वन विभाग के पश्चिमी वन प्रभाग के अधीन आता है और सरदार पटेल मार्ग तथा राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के महत्वपूर्ण हिस्सों से जुड़ा हुआ है। इस संबंध में शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के इस निर्णय को राजधानी की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरणीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील रिज क्षेत्रों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने का विषय कई दशकों से लंबित था, लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रतिबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है।

दिल्ली सरकार का ऐतिहासिक कदम, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंट्रल रिज क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किए जाने के साथ तीन दशक से अधिक समय से लंबित एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया अब पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1994 में दिल्ली के सभी पांच रिज क्षेत्रों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन लंबे समय तक इन्हें अंतिम कानूनी संरक्षण नहीं मिल पाया। अब धारा 20 के तहत अधिसूचना जारी होने से सेंट्रल रिज क्षेत्र को मजबूत वैधानिक सुरक्षा प्राप्त हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली रिज, प्राचीन अरावली पर्वतमाला का विस्तार है और इसे राजधानी का 'ग्रीन लंग्स' माना जाता है। सेंट्रल रिज क्षेत्र राजधानी के मध्य में स्थित है और यह अपर रिज रोड के दोनों ओर फैला हुआ है। यह क्षेत्र सरदार पटेल मार्ग और राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के इलाकों से जुड़ा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह इलाका वायु गुणवत्ता सुधारने, भूजल स्तर को मजबूत बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन और शहरी प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष 24 अक्टूबर को दक्षिणी रिज क्षेत्र के लगभग 4080.82 हेक्टेयर इलाके को आरक्षित वन घोषित किया गया था। अब सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किए जाने के बाद वर्तमान सरकार अब तक कुल 4754.14 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को आरक्षित वन का दर्जा प्रदान कर चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अन्य रिज क्षेत्रों को भी जल्द ही धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित किया जाएगा और इसके लिए प्रक्रिया तेजी से जारी है।

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार पहले ही यह निर्णय ले चुकी है कि आरक्षित वन घोषित किए गए रिज क्षेत्रों में जहां भी उपयुक्त और खाली भूमि उपलब्ध होगी, वहां बड़े पैमाने पर देसी और पर्यावरण के अनुकूल प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे।

इनमें नीम, पीपल, शीशम, जामुन, इमली और आम जैसे पेड़ शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि रिज क्षेत्रों की पारिस्थितिकी को मजबूत करना, जैव विविधता का संरक्षण करना और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरक्षित वन घोषित होने के बाद अब सेंट्रल रिज क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध गतिविधियों और पर्यावरणीय क्षरण पर प्रभावी रोक लगाने में सहायता मिलेगी। साथ ही वन विभाग द्वारा संचालित संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन कार्यों को भी अधिक मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त-समाचार

बिहार के नवादा में 14 वर्षीय स्कूली किशोर की लाश बरामद

नवादा। जिले में पथरा इंग्लिश स्थित गोंदी पहाड़ी तालाब से शनिवार को 14 वर्षीय वंशराज का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए सड़क जाम कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस व फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। गोनावां के स्कूली छात्र की निर्मम हत्या से स्कूल संचालक तथा उसके कुछ दोस्त भी शंका के घेरे में है। । आंख फोड़कर हत्या के बाद लाश को फेंका,जो पानी मे तैरते मिला । क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है । मामले की जांच में पुलिस जुटी है। परिजन सड़क जाम कर हत्यारों को पहचान कर गिरफ्तार करने की मांग के जिद पर परिजन अड़े हैं । मृतक के पिता ने बताया कि उसका पुत्र कल से ही स्कूल से गायब है ।जबकि उसका बैग स्कूल में रखा हुआ है। इसकी सूचना भी स्कूल के संचालकों ने परिजनों को नहीं दी ।लड़का घर में नहीं आया। स्कूल बंद हो गया तो हम लोग कुछ लड़कों से पूछे ।उन लोगों ने भी बनावटी बात की। इसी बीच शनिवार को पथरा इंग्लिश गांव के तालाब में लाश मिली। बच्चे का आंख फोड़ दिया गया है तथा कई जगह तेज हथियार के निशान भी पाए गए हैं ।इससे साफ जाहिर है कि उसकी हत्या कर लाश को फेंकी गई है। इस घटना से नाराज परिजनों तथा ग्रामीणों ने राष्ट्रीय उच्च पथ जामकर यातायात बाधित कर दी है ।पुलिस के अधिकारी सड़क जाम हटाने में जुटे हुए हैं। लेकिन परिजनों का कहना है कि जिस लड़कों पर हत्या की शंका है ।पहले दोनों को गिरफ्तार कीजिए, तब सड़क जाम हटाएंगे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ।इस घटना से गांव में तनाव भी व्याप्त हो गया है। परिजनों ने स्कूल संचालक की मिली भगत से अपने पुत्र की हत्या का आरोप लगाते हुए शीघ्र जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने कहा है कि फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर जाकर मामले की जांच कर रही है। निश्चित तौर हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट के पास नौका में आग लगने से भारतीय नाविक की मौत, चार घायल

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य (होर्मुज स्ट्रेट) के पास आम सामान ले जा रही एक लकड़ी की नौका (धौ) आग लगने के बाद पलट गई। हादसे में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। नौका पर कुल 18 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के अनुसार सामान लेकर जा रही यह लकड़ी की नौका गुरुवार को आग लगने के बाद पलट गई। आग लगने के सही कारणों का अभी पता लगाया जा रहा है। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे एक अन्य पोत ने चालक दल के सदस्यों को बचाया। घटना में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए। घायलों का दुबई में इलाज चल रहा है और वे सुरक्षित हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने बचाए गए भारतीय नागरिकों से शुक्रवार रात मुलाकात की और नौका मालिक के भी संपर्क में हैं। वाणिज्य दूतावास प्रभावित भारतीयों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

कोडरमा। जिले के सतगावां प्रखंड के टेहरो पंचायत अंतर्गत नंदूडीह गांव में शुक्रवार की देर रात वज्रपात (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात जब परिवार के सदस्य अपने घर में थे, तभी अचानक गरज के साथ तेज बारिश शुरू हुई। इसी दौरान जोरदार आवाज के साथ घर पर आकाशीय बिजली गिरा। इसकी चपेट में आने से प्रदीप यादव की पत्नी सरस्वती देवी (42), उनका पुत्र अंकित कुमार (12) और फुआ मुन्द्रिका देवी (60) गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि घटना अचानक हुई और किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस प्रशासन भी गांव पहुंची। वहीं जनप्रतिनिधि और ग्रामीण पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। शनिवार को मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

गैंगरेप मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी थाना क्षेत्र में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले को लेकर शनिवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) बहामन टूटी ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों व छापेमारी अभियान के जरिए सभी आरोपियों को दबोच लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि झींकपानी थाना कांड संख्या 16/2026 दिनांक 6 मई 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 70(1), 127(2), 332(बी) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता ने पुलिस को दिए लिखित आवेदन में आरोप लगाया था कि अप्रैल माह में जब वह अपने घर में अकेली थी, उसी दौरान गांव के तीन युवक उसके घर में घुस आए।आरोपितों ने घर का दरवाजा बंद कर उसके साथ जबरन सामूहिक दुष्कर्म किया और घटना की जानकारी किसी को देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। घटना सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम का नेतृत्व झींकपानी थाना प्रभारी राजकुमार जेयराजू और एसडीपीओ बहामन टूटी ने किया। पुलिस ने सबसे पहले पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया और उसके बयान के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी शाखा की भी सहायता ली गई, जिससे आरोपितों की गतिविधियों का पता लगाया जा सका। पुलिस की ओर से गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान डूगुद बुड़ीउली उर्फ कोंदा, सिदिऊ मुंडरी उर्फ कोंका और मंडरू उर्फ जम्बीरा गोप के रूप में हुई है। तीनों आरोपितों कुदापी मटकमहातू गांव, थाना झींकपानी, पश्चिमी सिंहभूम के रहने वाले बताए गए हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस ने घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तीनों आरोपितों का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है।

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के बड़हरवा फत्तेमहमद गांव में घर में लगी आग

व्यवसायी के पुत्र-पुत्री व एक कर्मी समेत तीन की मौत

एजेंसी (हि.स.)
पूर्वी चंपराण

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के कुंडवाचैनपुर थानाक्षेत्र अन्तर्गत बड़हरवा फत्तेमहमद गांव में शुक्रवार करीब 12 बजे रात एक किराना दुकान व व्यवसायी के घर में अचानक लगी आग में व्यवसायी के पुत्र-पुत्री व एक कर्मी समेत तीन की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक राजकुमार गुप्ता की किराना दुकान में रात 12 बजे आग लग गई । आग की लपटें इतनी खतरनाक थी कि घटना में व्यवसायी राजकुमार साह के पुत्र रौद्र कुमार (08 वर्ष) व पुत्री सृष्टि कुमारी (10 वर्ष) के साथ-साथ एक ग्रामीण स्टाफ झरौखर थानाक्षेत्र के भंगहा गांव निवासी सुजय कुमार सिंह के पुत्र प्रिंस कुमार (28 वर्ष) जिंदा जल गए। तीनों की मौत हो गई। घटना के वक्त व्यवसायी अलग कमरे में सो रहे थे। बच्चे अलग कमरे में थे। वहीं दुकान का कर्मी भी अलग कमरे में सो रहे थे। इसी बीच भूतल पर स्थित दुकान में शाट सर्किट से अचानक लगी आग पूरे घर में फैली।

फोटोः हि.स.

इस दौरान एक गैस सिलिंडर भी फट गया। इस कारण आग की लपटें भयावह हो गईं। घटना के कारण पड़ोसी रवींद्र कुमार की दुकान भी क्षतिग्रस्त हुई है। आग बुझाने के दौरान पड़ोसी विजय बैठा भी जख्मी हुए हैं। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन टीम के सहयोग से शवों को निकाला। राजकुमार साह अपनी एक रिश्तेदारी में आयोजित शादी से शुक्रवार को ही दो बच्चों के साथ घर लौटे थे। प्रथम तल पर आवास था। अगलगी की घटना के बाद राजकुमार साह ने बच्चों को बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें नहीं बचा सके। बुरी तरह झुलसने के बाद प्रथम तल से कूदे, लेकिन तबतक सबकुछ राख हो गया था। घटना की सूचना पर अग्निशमन दस्ता की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। स्थानीय पुलिस मौके पर कैंप कर रही है । क्षति का आंकलन किया जा रहा है।

जोरहाट में दो नाबालिगों के यौन शोषण के आरोप में बुजुर्ग गिरफ्तार

जोरहाट (असम)। जिले के चेनीजान के रामपुर भकतगांव में हुई एक भयावह घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दिया है। पुलिस ने आज बताया कि दो नाबालिग किशोरियों के साथ बलात्कार करने के आरोप में एक 65 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ गंभीर मामला सामने आया है। आरोपों के अनुसार, 7 मई की शाम को हुई इस घटना के बाद, एक पीड़ित नाबालिग किशोरी मानसिक आघात सहन नहीं कर पायी और उसने आत्महत्या का रास्ता अपनाया। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक और क्रोध फैला दिया है। इस बीच, पुलिस ने मामले में आरोपित राधेश्याम बौरी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी और विभिन्न दिशा में पूछताछ जारी रखी। रामपुर भकतगांव के निवासियों के बीच इस घटना को लेकर काफी आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

कार्रवाई और पुरस्कार दोनों साथ-साथ, किशनगंज पुलिस में नई पहल

एजेंसी (हि.स.)
किशनगंज

जिले में पुलिस विभाग के भीतर अनुशासनहीनता और लापरवाही के खिलाफ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। पिछले तीन महीनों के दौरान गलत आचरण और कर्तव्यहीनता के आरोप में कुल 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। वहीं 38 पुलिसकर्मियों का वेतन रोका गया है तथा 9 अन्य कर्मियों को विभागीय दंड दिया गया है।

निलंबित पुलिसकर्मियों में चार थानाध्यक्ष, एक परिचारी, तीन पुलिस अवर निरीक्षक, दो सिपाही और दो चौकीदार शामिल हैं। इन सभी पर वरीय अधिकारियों के आदेश की अवहेलना, कार्य में लापरवाही, अनुशासनहीनता, मनमाने रवैये और कर्तव्य के प्रति उदासीनता जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। इधर, बेहतर कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को भी सम्मानित किया गया है ।एसपी ने पिछले तीन माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 194 पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुरस्कृत किया है। इनमें कांडों के निष्पादन, कार्यालय कार्य, सुपर पेट्रोलिंग, विधि-व्यवस्था संधारण और छापेमारी अभियान में सराहनीय भूमिका निभाने वाले पुलिस निरीक्षक से लेकर गृह रक्षक तक शामिल हैं। पुरस्कृत कर्मियों को कुल 1 लाख 21 हजार 650 रुपये की पुरस्कार राशि एवं 103 सुसेवांक प्रदान किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी पुलिस पदाधिकारी या कर्मी की किसी अनुचित गतिविधि में संलिप्तता से संबंधित ऑडियो, वीडियो अथवा अन्य साक्ष्य उपलब्ध हो तो उसकी सूचना प्रमाण सहित एसपी कार्यालय को दें।

महाराष्ट्र के मुंबई में डीजल आपूर्ति में 5 से 10 प्रतिशत की कटौती

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

महाराष्ट्र के मुंबई शहर में डीजल की आपूर्ति में 5 से 10 प्रतिशत तक की कटौती किए जाने की जानकारी सामने आई है। इस कटौती का असर शहर के कई पेट्रोल पंपों पर दिखाई देने लगा है। खासकर मालवाहक और व्यावसायिक वाहन चालकों को डीजल भरवाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, पेट्रोल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है, जिससे आम वाहन चालकों को फिलहाल राहत है।

फोटोः हि.स.

पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार तेल कंपनियां औद्योगिक क्षेत्रों को डीजल आपूर्ति देने को अधिक प्राथमिकता दे रही हैं। इसके चलते पेट्रोल पंपों को मिलने वाला डीजल कोटा अपेक्षाकृत कम हो गया है। बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष की तुलना में मुंबई में डीजल आपूर्ति में 5 से 10 प्रतिशत की कमी आई है। इस स्थिति के कारण मुंबई के कुछ इलाकों में डीजल का स्टॉक सीमित मात्रा में उपलब्ध है, जिससे परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। कई व्यावसायिक वाहन चालकों को डीजल के लिए अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, कई उद्योगों और कारखानों को अपने दैनिक संचालन के लिए बड़ी मात्रा में डीजल की आवश्यकता होती है। इन उद्योगों को निर्धारित कोटे के अनुसार डीजल उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से कुछ कारखानों को तय कोटे से अधिक डीजल आपूर्ति किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके चलते मुंबई के लिए उपलब्ध डीजल आपूर्ति में कमी आई है। हालांकि, इस कटौती के पीछे का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

शुभारंभ

'जन सेवा कनेक्ट' योजना के तहत आधुनिक

अंधेरी रेलवे स्टेशन पर नवीनीकृत उपडाकघर का उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई के अंधेरी रेलवे स्टेशन स्थित नवीनीकृत उपडाकघर का उद्घाटन किया। 'जन सेवा कनेक्ट' योजना के तहत विकसित यह डाकघर अब भविष्य-उन्मुख सेवा केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जहां आधुनिक तकनीक और नागरिक-केंद्रित सुविधाओं का समावेश किया गया है।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 1932-33 में स्थापित अंधेरी आरएस पोस्ट ऑफिस को आधुनिक स्वरूप देने का कार्य योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर) के सहयोग से किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य पारंपरिक डाकघरों को आधुनिक सेवा केंद्रों में बदलना है, ताकि नागरिकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह डाकघर देशभर के 17 राज्यों में 40 डाकघरों पर लागू किए जा रहे 'प्रयोगात्मक मॉडल' कार्यक्रम के अंतर्गत चुना गया है। महाराष्ट्र का यह पहला और देश का दूसरा डाकघर है, जिसे इस विशेष परियोजना के तहत विकसित कर उद्घाटित किया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस मॉडल को भविष्य में देश के अन्य प्रमुख डाकघरों में भी लागू किया जा सकता है। उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आधुनिक, नागरिक-केंद्रित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक सेवाओं के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि डाक सेवाओं को तकनीक, दक्षता और पारदर्शिता के माध्यम से नए युग के अनुरूप मजबूत बनाया जा रहा है। सिंधिया ने यह भी कहा कि इंडिया पोस्ट अब केवल पत्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में भी उभर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इंडिया पोस्ट देश के अंतिम छोर तक सेवाएं पहुंचाने और लोगों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने इस पहल को महाराष्ट्र में डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा और सकारात्मक कदम बताया। नवीनीकरण के बाद अंधेरी उपडाकघर में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, डिजिटल सेवा सुविधाएं, आधुनिक ग्राहक सहायता प्रणाली और तेज सेवा वितरण व्यवस्था विकसित की गई है। इसके साथ ही डाकघर को नई पहचान और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है, ताकि यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को बेहतर अनुभव मिल सके। समारोह के दौरान एक विशेष कवर भी जारी किया गया, जिसे इस परियोजना की स्मृति और महत्व से जोड़कर देखा जा रहा है।

फोटोः हि.स.

कार्यक्रम में महाराष्ट्र और गोवा सर्कल के मुख्य डाकघर महानिरीक्षक अमिताभ सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्लेऑफ की जंग में बने रहने के लिए चेपॉक में एलएसजी से भिड़ेगी चेन्नई सुपर किंग्स

सीएसके का प्रदर्शन: संजू सैमसन का दबदबा और धोनी की वापसी का इंतजार

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को यहां सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है। लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है। जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमसन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रुतुराज ने इस महीने की शुरूआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फॉर्म में वापसी की है। वह हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली। सीएसके की टीम को मध्य क्रम के बल्लेबाजों डेवाल्ड ब्रेविस, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन और शिवम दुबे से भी अच्छे योगदान की उम्मीद होगी। महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने हालांकि नेट पर अभ्यास किया है, लेकिन उन्हें अभी तक अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली है। मौजूदा टूर्नामेंट के दौरान चेपॉक की पिचों के व्यवहार में बदलाव देखने को मिला। अब यह अपनी पारंपरिक रूप से बेहद धीमी और स्पिन गेंदबाजों की मददगार प्रकृति से बदलकर अधिक संतुलित और बल्लेबाजों के लिए अनुकूल हो गई हैं। इसके बावजूद यहां स्पिनरों को कुछ मदद मिल रही है। ऐसे में बीच के ओवरों में अकील हुसैन और नूर अहमद की जोड़ी सीएसके के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

लखनऊ सुपर जायंट्स का संकट: ऋषभ पंत की फॉर्म और टीम का संघर्ष

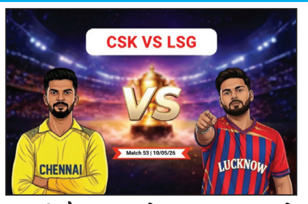

अगर एलएसजी की बात करें तो उसके लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है। उसने 10 मैच में केवल तीन जीत हासिल की हैं और वह तालिका में सबसे नीचे (10वें स्थान पर) है। कप्तान ऋषभ पंत के लिए यह सत्र चुनौतीपूर्ण रहा है और अब तक वह बल्लेबाजी में अपने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये की कीमत को सही साबित करने में नाकाम रहे हैं। पंत ने गुरुवार को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 10 गेंदों में 32 रन की शानदार पारी खेली लेकिन उनका समग्र प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

टीम इस प्रकार

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, अमन खान।

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

मैच दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा।

अर्जेंटीना खिताब बचाने का दावेदार, लेकिन फ्रांस और स्पेन ज्यादा मजबूत: मेसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026: लियोनेल मेसी बोले, हमारी टीम में कई खिलाड़ी चोट या मैच फिटनेस की समस्या से जूझ रहे

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि उनकी टीम लगातार दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सपना जरूर देख सकती है, लेकिन मौजूदा समय में फ्रांस और स्पेन जैसी टीमें बेहतर फॉर्म में हैं। यूट्यूब पर होस्ट पोलो अल्वारेज को दिए इंटरव्यू में मेसी ने कहा, हमारी टीम में कई खिलाड़ी चोट या मैच फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जब पूरा ग्रुप साथ आता है तो उसने हमेशा साबित किया है कि वह मुकाबला करना और जीतना जानता है।

हालांकि मेसी ने माना कि आगामी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा बेहद कठिन रहने वाली है। उन्होंने कहा, फ्रांस इस समय शानदार फॉर्म में है। उनके पास विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की भरमार है। गौरतलब है कि अर्जेंटीना ने कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था। मेसी ने स्पेन और ब्राजील को भी मजबूत दावेदार बताया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पुर्तगाल बेहद प्रतिस्पर्धी टीम है, जबकि जर्मनी और इंग्लैंड जैसी यूरोपीय टीमें हमेशा खतरनाक साबित होती हैं।

इंटर मियामी के लिए खेलने वाले मेसी जून में 39 साल के हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने अब तक यह आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं किया है कि वह वर्ल्ड कप 2026 खेलेंगे या नहीं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में आयोजित होगा। मेसी ने कहा कि उन्होंने अपने करियर को लेकर कोई समय सीमा तय नहीं की है। उन्होंने कहा, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और मैं तब तक खेलूंगा जब तक खेल सकता हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत प्रतिस्पर्धी हूं। मुझे हर चीज में जीतना पसंद है। मैं तो अपने बेटे को वीडियो गेम में भी आसानी से नहीं जीतने देता।

ब्रूनो फर्नांडीस और खादिजा शॉ को 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर' सम्मान

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता।

इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र जबकि अंतिम दौर में चल रहा है तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन द्वारा दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने आर्सेनल के डेक्लान राइस और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड को पीछे छोड़ा। उन्हें फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से अधिक सदस्यों में से 45 प्रतिशत मत मिले। वह 2010 में वायने रूनी के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी हैं। यह पुरस्कार 1947 से दिया जा रहा है और इस प्रकार यह दुनिया का सबसे पुराना व्यक्तिगत फुटबॉल पुरस्कार है। शॉ ने आर्सेनल की एलेशिया रूसो और चेल्सी की लॉरेन जेम्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्होंने 21 मैचों में सबसे अधिक 19 गोल करके मैनचेस्टर सिटी को 10 साल में पहली बार महिला सुपर लीग का खिताब दिलाया। शॉ ने 2024 में भी यह पुरस्कार हासिल किया था।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज और पर्पल कैप की जंग तेज

सूर्यवंशी, रबाडा और आर्चर पर रहेंगी नजरें

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटो: हि.स.

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस रोमांचक होती जा रही है। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया, जिसके बाद दोनों सूची में कुछ खिलाड़ियों की स्थिति और मजबूत हुई, जबकि शनिवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के मुकाबले में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 494 रन के साथ बने हुए हैं। उनके पीछे अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ 23 रन की पारी खेलकर अपना कुल स्कोर 468 तक पहुंचा दिया और तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। शनिवार के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें रहेंगी। सूर्यवंशी अब तक 404 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन 385 रन के साथ सातवें और शुभमन गिल 378 रन के साथ दसवें स्थान पर मौजूद हैं।

दूसरी ओर पर्पल कैप की रेस में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प बना हुआ है। कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने दिल्ली के खिलाफ दो विकेट लेकर अपनी विकेट संख्या 13 तक पहुंचा दी। पिछले चार मैचों में वह आठ विकेट ले चुके हैं। हालांकि शीर्ष पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 17-17 विकेट लेकर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। इकॉनमी रेट के आधार पर भुवनेश्वर आगे हैं। उनके पीछे प्रिंस यादव, कगिसो रबाडा और ईशान मलिंगा 16-16 विकेट के साथ मौजूद हैं। शनिवार को गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा पर खास नजर रहेगी। रबाडा ने पिछले छह मैचों में 12 विकेट हासिल किए हैं और यदि वह अपनी लय बरकरार रखते हैं तो पर्पल कैप उनके सिर सज सकती है।

वहीं राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर भी इस दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। उनके नाम 15 विकेट हैं और वह शीर्ष खिलाड़ियों से ज्यादा पीछे नहीं हैं। ऐसे में शनिवार के मुकाबले में रबाडा और आर्चर की गेंदबाजी मैच का रुख तय कर सकती है।

डीपी वर्ल्ड टूर में युवराज संधू ने फहराया तिरंगा, शुभंकर और वीर की राह हुई कठिन

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बार्सिलोना

पहली बार डीपी वर्ल्ड टूर में खेल रहे भारतीय गोल्फर युवराज संधू एस्ट्रेला डाम कैटालुन्या चैंपियनशिप के कट में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। संधू ने पहले दिन चार अंडर 68 का स्कोर बनाया था। उन्होंने दूसरे दिन इवन पार स्कोर किया और अब वह संयुक्त 16वें स्थान पर हैं।

इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के दो अन्य गोल्फर शुभंकर शर्मा (71-74) और वीर अहलावत (75-72) कट से चूक गए।

दूसरे दौर के बाद स्टेफानो माजोली और लुकास बिएरगार्ड संयुक्त बढ़त पर हैं। इन दोनों खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे दक्षिण अफ्रीका के युराव प्रेमलाल हैं, जिन्होंने आठ अंडर पार 64 का स्कोर बनाया।

दर्पण विशेष

माँ: ईश्वर का दूसरा रूप

माँ शब्द की महिमा

'माँ' - ये दो अक्षर का शब्द अपने आप में पूरा ब्रह्मांड समेटे हुए है। इस शब्द को बोलते ही मन में ममता, त्याग, करुणा और निस्वार्थ प्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। दुनिया में पहला शब्द जो बच्चा बोलता है वो ₹माँ₹ ही होता है। अंतिम साँस तक इंसान की जुबान पर यही नाम रहता है। माँ सिर्फ एक रिश्ता नहीं, एक एहसास है। एक ऐसी शक्ति है जो टूटे हुए इंसान को फिर से खड़ा कर देती है। मातृ दिवस हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। 2026 में ये 10 मई को पड़ेगा। ये दिन कोई त्योहार नहीं, बल्कि माँ के ऋण को याद करने का एक छोटा सा प्रयास है। क्योंकि माँ का कर्ज तो हम सात जन्मों में भी नहीं चुका सकते।

मातृ दिवस का इतिहास और वैश्विक स्वरूप

मातृ दिवस की जड़ें बहुत पुरानी हैं। प्राचीन यूनान में माताओं की देवी 'रिया' की पूजा होती थी। रोम में 'हिलेरिया' नाम का उत्सव मनाया जाता था। पर आधुनिक मातृ दिवस की शुरूआत अमरीका से हुई। कहानी 1905 से शुरू होती है। एन रीव्स जार्विस नाम की एक महिला थीं। वो अमरीकी गृहयुद्ध के समय घायल सैनिकों की सेवा करती थीं। उन्होंने ₹मातृ दिवस कार्य मंडल₹ बनाए थे ताकि बीमारियों से बचा जा सके। 1905 में उनका निधन हो गया। उनकी बेटी अन्ना जार्विस ने प्रण लिया कि वो माँ के काम को आगे बढ़ाएंगी। 12 मई 1908 को अन्ना ने पहली बार पश्चिम वर्जीनिया के ग्राफ्टन में माँ की याद में प्रार्थना सभा रखी। उन्होंने 500 सफेद गुलनार के फूल बांटे क्योंकि ये उनकी माँ का प्रिय फूल था। अन्ना का सपना था कि हर इंसान अपनी माँ को सम्मान दे। उन्होंने सरकार को कई पत्र लिखे। उनकी मेहनत रंग लाई। 8 मई 1914 को अमरीका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत मई का दूसरा रविवार आधिकारिक ₹मातृ दिवस₹ घोषित हुआ। आज ये दिन 50 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है। तारीख अलग हो सकती है पर भावना एक ही है। अरब देशों में 21 मार्च को, थाईलैंड में 12 अगस्त को, रूस में नवंबर के आखिरी रविवार को मनाते हैं। भारत में हमने पश्चिमी तारीख अपना ली है - मई का दूसरा रविवार।

भारतीय संस्कृति में माँ: देवताओं से भी ऊपर

हमारी संस्कृति में माँ का स्थान ईश्वर से भी ऊँचा है। वेद कहते हैं - 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव'। यानी सबसे पहले माँ देवता है, फिर पिता, फिर गुरु। **'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'** - भगवान राम ने कहा था कि माँ और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। जब भगवान राम 14 साल के वनवास पर गए, तो कौशल्या माँ का कलेजा फट गया था। पर उन्होंने बेटे को कर्तव्य के लिए विदा किया। यही है माँ। महाभारत में कुंती ने पांडवों को इतने कष्टों में पाला। द्रौपदी के चीरहरण के समय भी वो टूटी नहीं। शिवाजी महाराज को 'छत्रपति' बनाने के पीछे उनकी माँ जीजाबाई का हाथ था। जीजाबाई ने बचपन से ही शिवाजी को रामायण, महाभारत की कहानियां सुनाकर वीर बनाया। भगवान गणेश की कथा सब जानते हैं। जब कार्तिकेय और गणेश में ब्रह्मांड का चक्कर लगाने की शर्त लगी, तो कार्तिकेय मोर पर बैठकर निकल गए। गणेश जी ने अपने माता-पिता शिव-पार्वती के तीन चक्कर लगाए और कहा 'मेरे लिए तो आप ही मेरा संसार हो'। इसलिए वो प्रथम पूज्य बने। **कहा भी गया है**- 'कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति'। यानी बेटा कपूत हो सकता है, पर माता कुमाता कभी नहीं होती।

आधुनिक युग की माँ: दोहरी जिम्मेदारी की मिसाल

आज की माँ 24 कैरेट सोना है। वो 'सुपर वुमन' है। सुबह 5 बजे उठती है। सबसे पहले रसोई में जाती है। बच्चों का भोजन डिब्बा, पति का नाश्ता, सास-ससुर की चाय। 8 बजे तक सबको भेजकर खुद तैयार होती है। 9 बजे कार्यालय पहुंचती है। कार्यालय में वो प्रबंधक, अभियंता, शिक्षक, चिकित्सक कुछ भी हो सकती है। 8 घंटे दिमाग खपाती है, बॉस की डांट सुनती है, लक्ष्य पूरा करती है। शाम 6 बजे घर आती है तो दूसरी पारी शुरू। बच्चे का गृहकार्य चेक करना, कपड़े धोना, रात का भोजन बनाना, बुजुर्गों की दवाई देना। रात 11 बजे तक फुर्सत नहीं। पति पूछता है ₹थकी हुई हो?' वो हंसकर कहती है ₹नहीं, तुम्हारे लिए तो चाय बना दूं?'। अकेली माँ की कहानी तो और दर्दनाक है। पति का साथ नहीं, फिर भी वो पिता और माँ दोनों का रोल निभाती है। समाज के ताने सुनती है, पर बच्चों के सामने कभी आंसू नहीं बहाती। ऐसी माँओं को शत-शत नमन।

माँ के प्रकार: हर रूप में पूजनीय

1. जन्म देने वाली माँ: जिसने कोख से जन्म दिया।
2. पालने वाली माँ: सौतेली माँ, मौसी, बुआ, दादी - जो पालती है वो भी माँ ही है। यशोदा मैया ने कृष्ण को पाला था।
3. धरती माँ: जो हमें अन्न देती है, जल देती है। किसान इसे माँ कहते हैं।
4. गौ माता: हिंदू धर्म में गाय को माँ का दर्जा है क्योंकि वो दूध पिलाती है।
5. भारत माँ: हमारा देश। सैनिक इसके लिए जान दे देते हैं।
6. गंगा माँ: नदी को भी माँ कहते हैं क्योंकि वो जीवन देती है।

मातृ दिवस क्यों जरूरी है

कुछ लोग कहते हैं 'माँ के लिए एक दिन क्यों? हर दिन मातृ दिवस है'। बात सही है। पर सच ये भी है कि हम रोजमर्रा की भागदौड़ में माँ को भूल जाते हैं। सुबह उठकर मोबाइल देखते हैं, माँ को 'गुड मॉर्निंग' नहीं बोलते। रात को दोस्तों से 2 घंटे बात करते हैं, पर माँ से 2 मिनट बात करने का वक्त नहीं। माँ आवाज दे तो 'अभी आया' कहकर घंटों नहीं जाते। मातृ दिवस हमें झकझोरता है। याद दिलाता है कि 'रुक! तेरी दुनिया बनाने वाली पीछे किचन में अकेली बैठी है'। ये दिन बहाना है माँ को 'धन्यवाद' कहने का, 'माफ करना' कहने का, 'मैं तुमसे प्यार करता हूँ' कहने का।

माँ को कैसे करें खुश

माँ को महंगे उपहार नहीं चाहिए। उसे आपका समय, सम्मान और प्यार चाहिए। **सुबह की चाय:** महीने में एक बार ही सही, माँ को बिस्तर पर चाय देकर जगाओ। उसकी आंखों की चमक देखना। **बिन बोले समझो:** माँ थकी है तो खुद से कह दो 'आज खाना मैं बनाता हूँ, आप आराम करो'। **पुरानी बातें:** माँ से उसके बचपन, शादी के किस्से पूछो। बूढ़ी आंखें चमक उठेंगी। **तकनीक सिखाओ:** माँ को मोबाइल चलाना, वीडियो कॉल करना, ऑनलाइन भुगतान करना सिखाओ। वो दुनिया से जुड़ेगी। **सेहत की जांच:** माँ सालों से अपनी जांच नहीं कराती। उसे पकड़कर चिकित्सक के पास ले जाओ। पूरे शरीर की जांच कराओ। **घुमाने ले जाओ:** माँ ने सारी जवानी तुम्हें बड़े करने में लगा दी। अब उसे उसके पसंद की जगह घुमाने ले जाओ। मंदिर, बाग, या मायका। **'माफ करना'** और 'धन्यवाद': ये दो शब्द जादू हैं। गलती हो तो माफी मांग लो। रोज के खाने के लिए धन्यवाद बोल दो। **हाथ का बना उपहार:** बाजार से 5000 का सामान लाने से बेहतर है 2 रुपये के कागज पर 'आई लव यू माँ' लिखकर देना।

गर्भ से लेकर गोद तक: माँ का नौ महीना का तप

माँ बनना दुनिया का सबसे कठिन तप है। जिस दिन स्त्री को पता चलता है कि वो माँ बनने वाली है, उसी दिन से उसका त्याग शुरू हो जाता है। पहले तीन महीने- उल्टी, चक्कर, कमजोरी। मनपसंद खाना भी जहर लगता है। पर वो सब सहती है क्योंकि कोख में एक नन्ही जान पल रही है। चौथे महीने से पेट दिखने लगता है। कपड़े टाइट होने लगते हैं, पैरों में सूजन आ जाती है। रात को करवट बदलना भी मुश्किल। 8-9वें महीने में तो हालत ये होती है कि खुद के जूते के फीते भी नहीं बांध पाती। और फिर वो दिन आता है-प्रसव पीड़ा। डॉक्टर कहते हैं कि प्रसव के समय स्त्री को 20 हड्डी एक साथ टूटने जितना दर्द होता है। ये दर्द एक-दो घंटे नहीं, 10-12 घंटे तक चलता है। कई बार तो 2 दिन। फिर भी जब दाई नन्हा सा बच्चा माँ की छाती पर रखती है, तो माँ सारा दर्द भूल जाती है। उसके चेहरे पर जो मुस्कान आती है, वो दुनिया की सबसे खूबसूरत मुस्कान होती है।

बचपन से जवानी तक: माँ की अनगिनत भूमिकाएं

बच्चा पैदा होने के बाद माँ की नींद उड़ जाती है। 2-2 घंटे में बच्चे को दूध पिलाना, गीले कपड़े बदलना। बच्चा रोए तो माँ का कलेजा मुंह को आ जाता है। खुद बीमार हो तो दवाई नहीं खाएगी कि कहीं दूध के जरिए बच्चे को नुकसान न हो जाए।

1. **धाय:** रात-रात भर जागकर बच्चे को सुलाती है। लोरी गाकर, थपकी देकर।
2. **रसोइया:** बच्चा थोड़ा बड़ा हुआ तो उसकी पसंद का खाना। 'बेटा एक कौर और खा ले₹ कहकर पीछे-पीछे घूमती है।
3. **चिकित्सक:** हल्का सा बुखार आते ही माँ का माथा ठनक जाता है। पत्ती, काढ़ा, मरहम - सब उसे आता है।
4. **शिक्षक:** 'क' से कबूतर, 'A' से Apple, पहली बार पेंसिल पकड़ना-सब माँ सिखाती है। गृहकार्य भी माँ ही कराती है।
5. **चालक:** विद्यालय छोड़ने जाना, ट्यूशन छोड़ना, मेले में ले जाना-माँ की स्कूटी या कार टैक्सी बन जाती है।
6. **वकील:** बच्चा गलती करे तो पिता से डांट पड़ने पर माँ ही ढाल बनकर खड़ी हो जाती है। 'बच्चा है, माफ कर दो'।
7. **मित्र:** जवानी में जब दुनिया की कोई बात समझ नहीं आती, तो माँ ही सबसे अच्छी दोस्त बनती है। प्रेम, पढ़ाई, नौकरी - सब उससे बांट सकते हैं।
8. **बैंक:** जेब खर्च खत्म? माँ की साड़ी के पल्लू में बंधा नोट हमेशा तैयार रहता है। 'पापा को मत बताना'।

पंचकूला में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन

23,485 मामलों की सुनवाई, 2,048 मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा, 74,10,672 रुपये की समझौता राशि

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

श्री अजय कुमार घनघस ,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने बताया कि आज हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हलसा), चंडीगढ़ के निर्देशों के तहत जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला और उप-मंडल न्यायालय, कालका में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि विभिन्न श्रेणियों के मामलों, जिनमें दीवानी विवाद, वैवाहिक मामले, बैंक वसूली के मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, श्रम विवाद, ट्रैफिक चालान और विभिन्न मुकदमे-पूर्व मामले शामिल हैं, की सुनवाई और निपटारे के लिए सात पीठों का गठन किया गया था। राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आपसी समझौते के माध्यम से विवादों का त्वरित, किफायती और सौहार्दपूर्ण निपटारा प्रदान करना था, ताकि वादियों को अनावश्यक देरी और मुकदमेबाजी के खर्चों के बिना शीघ्र न्याय मिल सके।

श्री जगदीप सिंह लोहान, सदस्य सचिव, हलसा, चंडीगढ़ ने भी राष्ट्रीय लोक अदालत के कामकाज का निरीक्षण और समीक्षा करने के लिए जिला न्यायालय पंचकूला का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और वादियों के साथ बातचीत की और सुलह तथा समझौते के माध्यम से मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए न्यायिक बिरादरी द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

श्री संजय संधिर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पंचकूला ने श्री जगदीप सिंह लोहान, सदस्य सचिव, हलसा और श्री अजय कुमार घांघस, सीजेएम -सह-सचिव, डीएलएसए पंचकूला के साथ मिलकर विभिन्न लोक अदालत पीठों और न्यायालय कक्षों का दौरा किया। उन्होंने श्रीमती रेखा, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, पंचकूला और श्री विनोद कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पंचकूला के न्यायालय का दौरा किया, ताकि वहां की कार्यवाही का अवलोकन कर सकें और वादियों को उनके विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए प्रोत्साहित कर सकें। आगे यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान कुल 23,485 मामले सुनवाई के लिए लिए गए, जिनमें से 2,048 मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा कर दिया गया। विभिन्न मामलों में कुल 74,10,672/- रुपये की समझौता राशि प्रदान की गई। इतनी बड़ी संख्या में मामलों के निपटारे से वादियों को राहत मिली और साथ ही, न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या को कम करने में भी मदद मिली।

ट्रैफिक चालान और ऑनलाइन ट्रैफिक चालान के निपटारे पर भी विशेष ध्यान दिया गया। सुश्री अरुणिमा चौहान (जेएमआईसी), सुश्री अभिधा गुप्ता (जेएमआईसी) और श्री विनोद कुमार (सीजेएम), पंचकूला की अदालतों द्वारा कुल 1,395 ट्रैफिक चालानों का निपटारा किया गया; इनमें ऑनलाइन ट्रैफिक चालान, जब्त वाहनों के चालान और शराब पीकर गाड़ी चलाने के चालान शामिल थे। लोक अदालत की कार्यवाही के दौरान बड़ी संख्या में वाहन मालिकों और मुकदमों से जुड़े लोगों को लाभ पहुँचा। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि लोक अदालत विवादों के समाधान का एक प्रभावी वैकल्पिक माध्यम है, जो आपसी समझौते, सौहार्द और त्वरित न्याय को बढ़ावा देकर न्याय व्यवस्था में लोगों के विश्वास को मजबूत करता है। मुकदमों से जुड़े लोगों को यह भी बताया गया कि लोक अदालत द्वारा दिए गए निर्णय अंतिम होते हैं और संबंधित पक्षों पर बाध्यकारी होते हैं; साथ ही, इनका दर्जा सिविल अदालतों द्वारा जारी डिक्री (आदेश) के समान ही होता है। बड़ी संख्या में मुकदमों से जुड़े लोग, वकील और अदालत के अधिकारियों ने इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसके सफल आयोजन में अपना योगदान दिया।

पंचकूला नगर निगम आयुक्त विनय कुमार का प्रातःकालीन निरीक्षण अभियान लगातार जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला नगर निगम के आयुक्त श्री विनय कुमार के नेतृत्व में चलाया जा रहा प्रातःकालीन निरीक्षण अभियान शहर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाने, फॉलो-अप निरीक्षणों को प्रभावी रखने तथा नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। अभियान के 34वें दिन, पूर्व निर्धारित सेक्टर 10 और 15 में से सेक्टर 15 में अचानक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव, सड़क किनारे नालियों की सफाई, वेंडिंग जोन तथा किसान मंडी की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य नियमित निगरानी के माध्यम से साफ-सफाई के मानकों को बनाए रखना तथा नागरिक सुविधाओं और रखरखाव व्यवस्था में निरंतर सुधार सुनिश्चित करना था। 35वें दिन के निरीक्षण अभियान के तहत मट्टनवाला और कोट गाँवों का दौरा किया गया, जहाँ ग्रामीण स्तर पर साफ-सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य निरंतर निरीक्षण, समयबद्ध फॉलो-अप और साफ-सफाई के मानकों को बनाए रखने में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। 36वें दिन के निरीक्षण अभियान के तहत सेक्टर 12 और 12ए के लिए निर्धारित दौरों में से सेक्टर 12 का औचक निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन और प्रगति का आकलन करने हेतु क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था एवं नागरिक सेवाओं की जमीनी स्तर पर समीक्षा की। साथ ही, स्वच्छता मानकों को निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

नगर निगम आयुक्त ने दोहराया कि यह लगातार चलाया जा रहा निरीक्षण अभियान केवल समस्याओं की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमित फॉलो-अप निरीक्षणों के माध्यम से उनके समयबद्ध समाधान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचकूला नगर निगम की टीम की जमीनी स्तर पर निरंतर मौजूदगी, पूरे शहर और आसपास के गांवों में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम एक स्वच्छ, हरित और नागरिक सहभागिता पर आधारित पंचकूला के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

बच्चों में आंखों के कैंसर पर जागरूक करेगा पीजीआई आज से मनाया जाएगा रेटिनोब्लास्टोमा अवेयरनेस वीक

चंडीगढ़। पीजीआई के एडवांस्ड आई सेंटर के नेत्र रोग विभाग द्वारा 10 से 17 मई तक विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह के तहत रेटिनोब्लास्टोमा अवेयरनेस वीक आयोजित किया जा रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में होने वाले सबसे सामान्य आंखों के कैंसर रेटिनोब्लास्टोमा के प्रति लोगों को जागरूक करना है, ताकि बीमारी की समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके। अभियान के तहत रविवार को एक विशेष जागरूकता वॉक और रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली रोज गार्डन से शुरू होकर सुखना लेक तक निकाली जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य विषय रेटिनोब्लास्टोमा की समय पर पहचान और उपचार रखा गया है।

कार्यक्रम में प्रो.विवेक लाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रैली के माध्यम से आम लोगों को बच्चों की आंखों में दिखने वाले सफेद धब्बे (व्हाइट रिफ्लेक्स), भेंगापन और कमजोर नजर जैसे शुरूआती लक्षणों के प्रति जागरूक किया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इन लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है और समय पर नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श लेना बेहद जरूरी है। इस जागरूकता अभियान में रेटिनोब्लास्टोमा से ठीक हो चुके बच्चे, इलाज करा रहे मरीज, उनके अभिभावक, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल कर्मचारी और आम नागरिक भाग लेंगे।

लोगों को जागरूक करने के लिए सूचना सामग्री भी वितरित की जाएगी तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बीमारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। रैली में जीएमसीएच-32, डॉ.बी.आर.अंबेडकर स्टेट इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंस, जीएमएचएस-16 और सीविल हॉस्पिटल सेक्टर-6 पंचकूला के डॉक्टर और प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

भाजपा ओबीसी मोर्चा चंडीगढ़ ने छह जिला अध्यक्ष नियुक्त किए

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर रहेगा फोकस : सतपाल वर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जितेंद्र पाल मल्होत्रा | सतपाल वर्मा

सुमिता रानी | प्रदीप कुमार जसवाल | हर्मन यादव | रामललन | संदीप सिंह वर्मा | सरवजीत सिंह

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, चंडीगढ़ ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए चंडीगढ़ के सभी छह जिलों के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की है। यह घोषणा भाजपा ओबीसी मोर्चा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष सतपाल वर्मा ने भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा की अनुमति एवं मार्गदर्शन में की। नवनियुक्त जिला अध्यक्षों में डिस्ट्रिक्ट डॉ. भीमराव अंबेडकर से सुमिता रानी, डिस्ट्रिक्ट शहीद भगत सिंह से प्रदीप कुमार जसवाल, डिस्ट्रिक्ट रानी लक्ष्मीबाई से हर्मन यादव, डिस्ट्रिक्ट पंडित दीनदयाल उपाध्याय से रामललन, डिस्ट्रिक्ट डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से संदीप सिंह वर्मा तथा डिस्ट्रिक्ट भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से सरवजीत सिंह को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सतपाल वर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे संगठन की नीतियों एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे।

उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। ओबीसी मोर्चा चंडीगढ़ परिवार ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में संगठन निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर है।

संक्षिप्त-समाचार

12 को पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की बिजली सम्बन्धी शिकायतों की होगी सुनवाई

पंचकूला। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है । उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं । उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 12 मई को सुबह 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय, एससीओ नंबर - 96, पहली मंजिल, सेक्टर-5, पंचकूला में की जाएगी । इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए निगम के प्रवक्ता ने बताया की मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे जिनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जोड़ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा, विश्वसनीयता में कमी और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं । बहरहाल, मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126 तथा धारा 135 से 139 के अन्तर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुमार्ना और धारा 161 के अन्तर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं ।

वीवो एक्स300 अल्ट्रा भारत में पहली बार लॉन्च

चंडीगढ़। वीवो इंडिया ने अपना वीवो एक्स300 अल्ट्रा के लॉन्च की घोषणा की, जो एक्स-सीरीज की सर्वश्रेष्ठ इमेजिंग प्रणाली का भारत में पहला लॉन्च है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ जाइस मास्टर लेंस कलेक्शन के साथ यह मोबाइल देता है बेहद प्रोफेशनल कैमरा सिस्टम, जिसमें है अत्याधुनिक कलर साइंस, शक्तिशाली टेलीफोटो क्षमताएं और सिनेमाई वीडियो प्रदर्शन। ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी और सिस्टम-लेवल ऑप्टिमाइजेशन पर केंद्रित एक्स300 अल्ट्रा मोबाइल इमेजिंग को नई ऊंचाई तक लेकर जाता है, जिससे ग्राहक बेहतर सटीकता और फ्लैक्सिबिलिटी के साथ कैप्चर, क्रिएट और खुद को व्यक्त कर सकें। वीवो एक्स300 अल्ट्रा एक्लिप्स ब्लैक और विक्ट्री ग्रीन रंगों में 16जीबी+512जीबी वेरिएंट के साथ 1,59,999 रुपए में उपलब्ध है। इस अवसर पर बात करते हुए वीवो इंडिया के एक्ससीरीज के प्रोडक्ट मैनेजमेंट हेड विकास तागरा ने कहा कि वीवो इंडिया में हम एडवांस्ड इमेजिंग, रिफाइंड डिजाइन और बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ ग्राहकों को वास्तव में एक प्रीमियम अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। एक्स सीरीज की हर नई पीढ़ी के साथ हम लगातार नवाचार करते हुए प्रोफेशनल इमेजिंग को आम दिनचर्या में कंटेंट क्रिएट करने के बेहद नजदीक ला रहे हैं।

चंडीगढ़ में 37वें वर्षिका उत्सव और 56वें चित्राई थिरुविझा का जश्न श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ सेक्टर 31 स्थित श्री कार्तिकेय स्वामी मंदिर के 37वें वर्षिका उत्सव और चंडीगढ़ तमिल संगम, भारती भवन के 56वें चित्राई थिरुविझा का बड़ा जश्न 6 से 10 मई 2026 तक चंडीगढ़ में बड़ी श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। श्री कार्तिकेय स्वामी मंदिर में तीन दिन का वर्षिका उत्सव और भारती भवन में दो दिन के चित्राई थिरुविझा ने पूरे इलाके से भक्तों और तमिल समुदाय के लोगों को अपनी ओर खींचा। तमिलनाडु के विशेषज्ञ वेद पंडित इस धार्मिक जश्न में कई पारंपरिक पूजा, होम और धार्मिक रस्में करवा रहे हैं। इस फेस्टिवल में रोजाना शानदार कल्चरल प्रोग्राम भी होते हैं, जिनमें शामिल हैंः पारंपरिक तमिल लोक डांस परफॉर्मेंस, मदुरै के कलाकारों के लाइट म्यूज़िक प्रोग्राम, भरतनाट्यम परफॉर्मेंस, अलग-अलग कलाकारों और टीमों की भक्ति और कल्चरल प्रेजेंटेशन। तमिलनाडु की कल्चरल टीमों को नॉर्थ जोन कल्चरल सेंटर के जरिए कोऑर्डिनेट किया गया है, जिससे सेलिब्रेशन में शान और पारंपरिक रंग जुड़ गया है।

पॉलिसीबजार का गिफ्ट सिटी में विस्तार

चंडीगढ़। जैसे-जैसे गिफ्ट सिटी वैश्विक भारतीयों के लिए वित्तीय उत्पादों तक पहुँच का नया स्वरूप तैयार कर रहा है, पॉलिसीबाजार अपने पेशकशों का विस्तार कर रहा है ताकि एनआरआई निवेश पहले से कहीं अधिक सहज और आसान हो सके। भारत के इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर में अपनी मौजूदगी के जरिए पॉलिसीबाजार अब 35 से ज्यादा देशों के एनआरआई को अमेरिकी डॉलर में निवेश-लिंक्ड इंश्योरेंस सॉल्यूशंस उपलब्ध करा रहा है। साथ ही, गिफ्ट सिटी वैश्विक रीइंश्योरेंस ऑपरेशंस का भी केंद्र बन रहा है, जहाँ कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां आईएफएससी में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। पॉलिसीबाजार के गिफ्ट सिटी ब्रांच के प्रिंसिपल ऑफिसर बिमल मेनन ने कहा कि गिफ्ट सिटी अब हमारे एनआरआई ग्राहक आधार में 50 प्रतिशत से अधिक यो गदान दे रहा है। यह धीरे-धीरे वैश्विक भारतीय निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। एनआरआई समुदाय में गिफ्ट सिटी एक मजबूत निवेश हब के रूप में तेजी से उभर रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में चंडीगढ़ में 19 हजार से अधिक मामलों का निपटारा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति शील नागू, मुख्य न्यायाधीश-सह-प्रधान संरक्षक, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ एवं माननीय श्री न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी, कार्यकारी अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 09.05.2026 को जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-43, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा किया गया। जिला न्यायालय, सेक्टर-43, चंडीगढ़ में सेवारत न्यायिक अधिकारियों की अध्यक्षता में कुल 13 बेंचों का गठन किया गया। इन बेंचों में आपराधिक समझौतायोग्य मामले, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामले, बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण मामले, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, मध्यस्थता मामले, अन्य दीवानी मामले, नगर निगम से संबंधित मामले तथा यातायात चालानों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया।

आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद पूर्व मामलों, लंबित मामलों एवं यातायात चालानों सहित 19,004 से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इन मामलों में कुल 14,25,45,851/- की राशि का समझौता हुआ। नियमित बेंचों एवं स्थायी लोक अदालत (जन उपयोगिता सेवाएं) द्वारा 10,595 वाद पूर्व मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 6,95,238/- की राशि शामिल रही। श्रम न्यायालय द्वारा 17 श्रम विवाद मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 20,01,292/- की राशि शामिल थी। राज्य एवं जिला उपभोक्ता आयोग, चंडीगढ़ द्वारा 63 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 5,46,79,842/- की राशि शामिल रही, जबकि ऋण वसूली अधिकरण-क्क्ष् चंडीगढ़ द्वारा 26 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 9,71,48,285/- की राशि शामिल थी।इसके अतिरिक्त तहसीलदार (राजस्व), यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा कुल 2102 इंतकालों का निपटारा किया गया।

श्री पुनीत मोहन शर्मा, माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, चंडीगढ़ की बेंच के समक्ष लंबित एक वैवाहिक विवाद मामले में माननीय श्री न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी, कार्यकारी अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा स्थायी समाधान हेतु विशेष प्रयास किए गए। पक्षकारों के साथ लंबा संवाद किया गया।

माननीय न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी ने आमजन के बीच बैठकर उनसे संवाद भी किया तथा कहा कि लोगों को अपनी वास्तविक समस्याएं न्यायाधीशों के समक्ष रखने में संकोच नहीं करना चाहिए। श्री एच.एस. ग्रेवाल, माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री अरुण कुमार अग्रवाल, माननीय सदस्य सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ तथा श्री सुनील कुमार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चंडीगढ़ ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों का आभार व्यक्त किया तथा आमजन से लोक अदालतों के माध्यम से अपने विवादों का त्वरित एवं किफायती समाधान कराने की अपील की।

एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ में निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर एवं स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

क्षेत्रीय कार्यालय, चण्डीगढ़ में कार्यपालक निदेशक आदित्य गौतम के मार्गदर्शन में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों व आश्रित परिवारों एंव सविदा कर्मचारियों के कल्याण गतिविधियों के अंतर्गत मैक्स हॉस्पिटल , मोहाली के सौजन्य से निःशुल्क चिकित्सा जाँच और स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन दिनांकः 08 मई 2026 को किया गया । कार्यक्रम के शुरूवात में कार्यपालक निदेशक ने मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली से आए विशेषज्ञ डॉक्टर इवान जोशी को शाल एंव स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया तत्पश्चात डॉक्टर इवान द्वारा स्वास्थ्य वार्ता एंव पेट संबंधित रोग के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान सभी कार्मिकों एवं उनके परिजनों के लिवर की जाँच हेतु निःशुल्क किया गया। इस शिविर के दौरान कुल 71 कार्मिकों का निःशुल्क परीक्षण किया गया कजिसमे 57 पुरुष एंव 14 महिलाए शामिल हैं । इसके उपरांत विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा आवशयक परामर्श भी प्रदान किया गया क इससे अधिकारियों और कर्मचारियों व आश्रित परिवारों एंव सविदा कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओ का लाभ प्राप्त हुआ ।

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल के वार्षिक उत्सव में रोशनी, राग और रंगों के बीच जीवंत हुआ बचपन का संसार

नन्हे कदमों ने सजाया सपनों का रंगमंच, राजमटाज में बच्चों ने रचा कला और संस्कृति का सुंदर समन्वय

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल का सभागार उस समय किसी रंगमंच से अधिक एक जीवंत स्वप्नलोक प्रतीत हो रहा था, जब स्कूल के पांचवीं और छठी कक्षा के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव ह्यराजमटाजह्न ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ वातावरण को उल्लास और उत्साह से भर दिया। रोशनी की झिलमिलाहट, संगीत की मधुर लय और नन्हे कदमों की थिरकन ने ऐसा समां बांधा कि हर दर्शक मानो बचपन की मासूम दुनिया में लौट गया। पांचवीं और छठी कक्षा के छात्र-छात्राएं जब मंच पर उतरे, तो लगा जैसे रंग, भाव और कल्पनाएं सजीव होकर आंखों के सामने आकार ले रही हों। विशेष बात यह रही कि दोनों कक्षाओं के सभी सेक्शनों के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई।

मंच पर सामूहिकता का ऐसा सुंदर समन्वय दिखाई दिया, जहां हर बच्चा स्वयं एक सितारा था, लेकिन सभी मिलकर एक उज्ज्वल आकाश की रचना कर रहे थे। रंगारंग समारोह की शुरूआत एक भावपूर्ण प्रेयर डांस से हुई, जिसमें पांचवीं ह्यएह्न और छठी ह्यआईह्न कक्षा के छात्र-छात्राओं ने प्रेम, एकता और शांति का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के दौरान जब सूफी संगीत की रूहानी धुनें सभागार में गूंजने लगीं, तो पूरा माहौल मानो आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर हो उठा। समय की अनवरत गति और जीवन की अनदेखी सच्चाइयों को बेहद रोचक अंदाज में मंच पर उतारते हुए कक्षा पांचवीं ह्यजीह्न और छठी ह्यडीह्न के विद्यार्थियों ने वक्त शीर्षक से एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। बच्चों ने बड़ी सहजता से दिखाया कि कैसे इंसान अक्सर अपने सपनों, जिम्मेदारियों और आवश्यक कार्यों को कल के हवाले करता रहता है, जबकि समय बिना रुके अपनी राह पर आगे बढ़ता रहता है। इस प्रस्तुति ने यह संदेश भी दिया कि समय की रेत मुट्ठी में अधिक देर तक ठहरती नहीं। जो पल आज हमारे पास हैं, वही जीवन की सबसे अनमोल धरोहर हैं, क्योंकि बीता हुआ समय केवल स्मृति बनकर रह जाता है। स्वास्थ्य, ऊर्जा और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश देते हुए पांचवीं ह्यएफह्न और छठी ह्यसीह्न कक्षा के विद्यार्थियों ने फिटनेस शो–मिनी जिम में जोश से भरपूर प्रस्तुति दी। संगीत की तेज लय पर तालमेल के साथ किए गए अभ्यास, उत्साह से भरी गतिविधियां और बच्चों की आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्तियां मंच पर एक अलग ही ऊर्जा बिखेर रही थीं। समारोह का सबसे जीवंत और उल्लासपूर्ण रंग उस समय देखने को मिला, जब पांचवीं ह्यबीह्न और छठी ह्यएचह्न कक्षा के विद्यार्थियों ने जश्न-ए-भंगड़ा की प्रस्तुति से मंच को पंजाबी लोकसंस्कृति की रंगत में रंग दिया। जैसे ही ढोल की दमदार थाप सभागार में गूंजी, वातावरण उत्साह, उमंग और लोकजीवन की जीवंत ऊर्जा से भर उठा। वहीं, देशप्रेम की भावनाओं से सजी छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति ने समारोह को एक भावुक और गौरवपूर्ण आयाम दे दिया। मंच पर जब नन्हे कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण अभिव्यक्तियों और जीवंत अभिनय के माध्यम से मातृभूमि के प्रति प्रेम और समर्पण को स्वर दिया, तो पूरा सभागार गहरे भावों से भर उठा। मानव जीवन की यात्रा को विभिन्न रंगों और भावनाओं के साथ मंच पर जीवंत करती प्रस्तुति भी विशेष रूप से सराहनीय रही।

इसके अलावा पांचवीं ह्यईह्न और छठी ह्यएह्न कक्षा के छात्रों द्वारा योग पर आधारित प्रस्तुति ने भारतीय परंपरा, संतुलन और आत्मिक शांति का सुंदर संदेश दिया। वहीं, पांचवीं ह्यसीह्न और छठी ह्यबीह्न कक्षा के नन्हें कलाकारों ने भाई-बहन के अटूट स्नेह पर आधारित प्रस्तुति ने रिश्तों की मासूमियत और भावनात्मक गहराई को बेहद मार्मिक ढंग से मंच पर उकेरा। स्कूल के डॉयरेक्टर संजय सरदाना ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत एवं समर्पण की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों को केवल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर ही नहीं देते, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति और रचनात्मक सोच को भी विकसित करते हैं।